केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional Office Raipur

कक्षा – बारहवीं

प्रश्न बैंक

हिंदी (केन्द्रिक)

नवीनतम सी बी एस ई परीक्षा पैटर्न पर आधारित

सत्र 2021-22

केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional Office Raipur

उपायुक्त का संदेश

रायपुर क्षेत्र के लिए दसवीं और बारहवीं कक्षा के विभिन्न विषयों के लिए अध्ययन सामग्री प्रकाशित करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। सीबीएसई द्वारा जुलाई 2021 के महीने में जारी परिपत्र संख्या 51 और 53 के माध्यम से पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया में हालिया परिवर्तनों से परिचित और परिचित होने से छात्रों को परीक्षा के लिए खुद को बेहतर तैयार करने में मदद मिलेगी। अवधारणाओं को समझने, प्रश्नों को समझने के लिए इकाइयों और अध्यायों का अच्छा और गहरा ज्ञान आवश्यक है। अध्ययन सामग्री परीक्षा से ठीक पहले त्वरित संशोधन के लिए उपयुक्त और प्रभावी नोट्स बनाने में मदद करती है।

COVID-19 महामारी की अभूतपूर्व परिस्थितियों के कारण छात्रों और शिक्षकों को कक्षाओं में आमने-सामने बातचीत करने का बहुत सीमित अवसर मिल रहा है। ऐसी स्थिति में पर्यवेक्षित और विशेष रूप से तैयार किए गए मूल्य बिंदु छात्रों को उनकी समझ और विश्लेषणात्मक कौशल को एक साथ विकसित करने में मदद करेंगे। प्रश्न बैंक और अभ्यास पत्रों को पढ़ने के बाद छात्रों को अत्यधिक लाभ होगा। अध्ययन सामग्री एक विशेष बंधन का निर्माण करेगी और शिक्षकों और छात्रों के बीच जोड़ने वाली कड़ी के रूप में कार्य करेगी क्योंकि दोनों एक साथ निर्देशित और अनुभवात्मक अधिगम कर सकते हैं। यह छात्रों को रचनात्मक और महत्वपूर्ण सोच कौशल की खोज और विश्लेषण करने की आदत विकसित करने में मदद करेगा। केस स्टडी, तर्क और पता लगाने से संबंधित प्रश्न पैटर्न में पेश की गई नई अवधारणाएं छात्रों को विभिन्न स्थितिगत समस्याओं पर स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाएगी। विभिन्न अध्ययन सामग्री को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि छात्रों को उनकी आत्म-सीखने की गति में मदद मिल सके। यह महान शैक्षणिक सिद्धांत पर जोर देता है कि 'सब कुछ सीखा जा सकता है लेकिन कुछ भी नहीं सिखाया जा सकता है'। स्व-प्रेरित सीखने के साथ-साथ पर्यवेक्षित कक्षाएं उन्हें नई शैक्षणिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने में मदद करेंगी।

मैं उन सभी प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों का तहे दिल से आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने सभी विषयों के लिए अध्ययन सामग्री तैयार करने की परियोजना को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया है। इस परियोजना को सफल बनाने में उनका अपार योगदान प्रशंसनीय है।

हैप्पी लर्निंग और शुभकामनाएँ!

(विनोद कुमार)
उपायुक्त

संरक्षक

विनोद कुमार
उपायुक्त, केंद्रीय विद्यालय-संगठन,
रायपुर संभाग

मार्गदर्शक

श्रीमती बिरजा मिश्रा
सहायक आयुक्त, केंद्रीय विद्यालय-संगठन,
रायपुर संभाग

श्री ए.के.मिश्रा
सहायक आयुक्त, केंद्रीय विद्यालय-संगठन,
रायपुर संभाग

निर्देशक

श्री रमाकांत कौशिक
प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय बैकुंठपुर
रायपुर संभाग

सामग्री-विन्यास

श्री रविन्द्र कुमार यादव स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी) केन्द्रीय विद्यालय सी.आई.एस.एफ. भिलाई	श्री दिनेश चन्द्र कौशिक स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी) केन्द्रीय विद्यालय कांकेर
श्री शिव कुमार साहू स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी) केन्द्रीय विद्यालय बैकुंठपुर	श्री प्रदीप कुमार केशरवानी स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी) केन्द्रीय विद्यालय एनटीपीसी कोरबा

प्राक्कथन

विद्यार्थियों की उच्चतम शैक्षिक निष्पत्ति एवं सर्वोत्तम परीक्षा परिणाम की प्राप्ति शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के सफल निष्पादन का महत्वपूर्ण सूचकांक है। विद्यार्थियों के शत -प्रतिशत शैक्षिक प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लक्ष्य से प्रभावी नीति- निर्धारण एवं समुचित संसाधन उपलब्ध कराना केन्द्रीय विद्यालय संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

प्रस्तुत प्रश्न बैंक का प्रयोग परीक्षा की तैयारी के रूप में किया जाना वांछित परिणाम की प्राप्ति हेतु अभिप्रेरित है। प्रस्तुत सामग्री के० मा० शि० बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रश्न-पत्र के अद्यतन प्रारूप के अनुसार व्यवस्थित की गई है| जिसमें भाषागत सरलता एवं विषयगत स्पष्टता सुनिश्चित करना प्रमुख उद्देश्य रहा है। परीक्षा की दृष्टि से प्रमुख सुझाव प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दिये गए हैं। प्रश्नोत्तर विषय से संबन्धित विशिष्ट तकनीकी शब्दावली का सरलीकरण एवं अभ्यास हेतु महत्तवपूर्ण प्रश्न-कोश उपलब्ध कराया गया है| जिसका निरंतर अभ्यास विद्यार्थियों को अधिक आत्मविश्वास तथा सम्यक विषय ज्ञान से सुसज्जित कर सर्वोत्तम प्रदर्शन हेतु सक्षम बनाने में उपयोगी एवं सहायक सिद्ध होगा ।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग के निर्देशानुसार दिनांक-24-08-2021 से दिनांक- 27-08-2021 तक छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर विशेष प्रश्न बैंक निर्माण की ज़िम्मेदारी दी गई। इसे चार भागों में विभाजित किया गया था | प्रश्न बैंक सभी तरह के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए निर्मित की गई है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इससे लाभान्वित हों|

इस अवसर पर मै केंद्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होने केंद्रीय विद्यालय- बैकुंठपुर के प्रति अपना विश्वास प्रकट करते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी कक्षा बारहवीं के हिंदी(केन्द्रिक) विषय में प्रश्न बैंक निर्माण का गुरुतर कार्य दिया और साथ ही मै संगठन के सभी पदाधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को इस पाठ्य सामग्री के संदर्भ में अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिए आमंत्रित करता हूँ । ताकि भविष्य में इस प्रकार की सामग्री को और भी अधिक उपादेय , समीचीन और सार्थक बनाया जा सके|

सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाओं सहित . . . .

रमाकांत कौशिक
प्राचार्य एवं संयोजक
केन्द्रीय विद्यालय, बैकुंठपुर (रायपुर संभाग)।

कक्षा 12वीं हिंदी 'आधार' परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2021-2022 (कोड सं. 302) प्रथम सत्र

परीक्षा भार विभाजन				
	विषयवस्तु		उपभार	कुलभार
1	अपठित गद्यांश (चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)		15	
	अ	दो अपठित गद्यांशों में से कोई एक गद्यांश करना होगा। (450-500 शब्दों के) (1 अंक x 10 प्रश्न)	10	10
	ब	दो अपठित पद्यांशों में से कोई एक पद्यांश करना होगा। (250-250 शब्दों के) (1 अंक x 5 प्रश्न)	05	05
2	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन ('अभिव्यक्ति और माध्यम' पुस्तक के आधार पर)		05	
	अ	अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से बहुविकल्पात्मक प्रश्न (1 अंक x5 प्रश्न)	05	05
3	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग – 2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न		15	
	अ	पठित काव्यांश पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
	ब	पठित गद्यांश पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
	स	पठित पाठों पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
4	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न		05	
	अ	पठित पाठों पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
5	आंतरिक मूल्यांकन			10
		श्रवण तथा वाचन	10	
कुल अंक				50

सत्र-1 2021-22 में निम्नलिखित पाठ सम्मिलित किए गए हैं –

पाठ्यपुस्तक - आरोह भाग – 2

काव्य खंड	गद्य खंड
1. हरिवंश राय बच्चन - एक गीत	1. महादेवी वर्मा - भक्तिन
2. कुँवर नारायण - कविता के बहाने	1. जैनेन्द्र कुमार - बाज़ार दर्शन
2. रघुवीर सहाय - कैमरे में बंद अपाहिज	1. धर्मवीर भारती - काले मेघा पानी दे
2. गजानन माधव मुक्तिबोध - सहर्ष स्वीकारा है	
अभिव्यक्ति और माध्यम	**अनुपूरक पाठ्यपुस्तक - वितान भाग – 2**
विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	मनोहर श्याम जोशी - सिल्वर वैडिंग
पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया	आनंद यादव - जूझ

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, रायपुर संभाग

प्रश्न बैंक-प्रथम सत्र 2021

विषय -हिन्दी(आधार-302)

कक्षा -बारहवीं(2021-22)

अपठित गद्यांश (निर्धारित अंक:10)

क. **दो अपठित गद्यांश में से कोई एक गद्यांश करना होगा। (शब्द सीमा 450-500) 1अंक ×10 प्रश्न |**

सामान्य निर्देश-

- अपठित गद्य के बहुविकल्पीय प्रश्न 1-1 अंक के कुल 10 होंगे, जिन्हें कम से कम दो बार पढ़ना चाहिए।
- प्रश्नों के उत्तर देते समय सरलतम प्रश्नों का चुनाव पहले करें ।
- प्रश्नों को सावधानी से पढ़कर समझना अति अनिवार्य है | दिए गए चार विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन करें| कभी-कभी एक से अधिक उत्तर सही प्रतीत होते हैं, ऐसी स्थिति में प्रश्न के भाव के सर्वाधिक निकट उत्तर को ही सही उत्तर के रूप में मान्य करें|
- कथ्य(गद्यांश) में जिस विषय को बार बार उठाया गया हो उसी से संबंधित शीर्षक होना चाहिए ।

अपठित गद्यांश 1

प्रश्न:-निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए- 1अंक ×10 प्रश्न= 10 अंक

एकांत ढूंढने के कई सकारात्मक कारण है | एकांत की चाह किसी घायल मन की आह भर नहीं, जो जीवन के काँटों से बिंध कर घायल हो चुका है, एकांत सिर्फ उसके लिए शरण मात्र नहीं | यह उस इंसान की ख्वाइश भर नहीं, जिसे इस संसार में फेंक दिया गया हो और वह फेंक दिए जाने की स्थिति से भयभीत होकर एकांत ढूंढ रहा हो | हम जो एकांत में होते हैं, वही वास्तव में होते हैं | एकांत हमारी चेतना की अंतर्वस्तु को पूरी तरह उघाड़ कर रख देता है |

अंग्रेजी का एक शब्द- आइसोलोफिलिया इसका अर्थ है अकेलेपन, एकांत से गहरा प्रेम। पर इस शब्द को गौर से समझें तो इसमें अलगाव की एक परछाई भी दिखती है। एकांत प्रेमी हमेशा ही अलगाव की अभेद दीवारों के पीछे छिपना चाह रहा हो, यह जरूरी नहीं। एकांत की अपनी एक विशेष सुरभि है और जो भीड़ के अशिष्ट प्रपंचों में फंस चुका हो, एसा मन कभी इसका सौंदर्य नहीं देख सकता। एकांत और अकेलेपन में थोड़ा फर्क समझना जरूरी है। एकांतजीवी में कोई दोष या मनोमालिन्य नहीं होता। वह किसी व्यक्ति या परिस्थिति से तंग आकर एकांत की शरण में नहीं जाता । न ही आततायी नियति के विषैले बाणों से घायल होकर वह एकांत की खोज करता है । अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ऐसे एकांत की बात करते हैं । वे कहते हैं कि ऐसा नहीं कि वे इंसान से कम प्रेम करते हैं, बस प्रकृति से ज्यादा प्रेम करते हैं । बुद्ध अपने शिष्यों से कहते हैं कि वे जंगल में विचरण करते हुए गैंडे की सींग की तरह अकेले रहें । वे कहते हैं -' प्रत्येक जीव जन्तु के प्रति हिंसा का त्याग करते हुए किसी की भी हानि की कामना न करते हुए, अकेले चलो फिरो -, वैसे ही जैसे किसी गैंडे का सींग । हक्सले' एकांत के धर्म' या 'रिलीजन ऑफ सोलीट्यूड' की बात करते हैं । वे कहते हैं जो मन जितना ही अधिक शक्तिशाली और मौलिक होगा, एकांत के धर्म की तरफ उसका उतना ही

अधिक झुकाव होगा । धर्म के क्षेत्र में एकांत, अंधविश्वासों, मतों और धर्मांधता के शोर से दूर ले जाने वाला होता है । इसके अलावा एकांत धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में नई अंतर्दृष्टियों को भी जन्म देता है । ज्यां पॉल सार्त्र इस बारे में बड़ी ही खूबसूरत बात कहते हैं । उनका कहना है -' ईश्वर एक अनुपस्थिति है । ईश्वर है इंसान का एकांत । क्या एकांत लोग इसलिए पसंद करते हैं कि वे किसी को मित्र बनाने में असमर्थ हैं ? क्या वे सामाजिक होने की अपनी असमर्थता को छिपाने के लिए एकांत को महिमामंडित करते हैं ? वास्तव में एकांत एक दुधारी तलवार की तरह है । लोग क्या कहेंगे इसका डर भी हमें अक्सर एकांत में रहने से रोकता है यह बड़ी अजीब बात है , क्योंकि जब आप वास्तव में अपने साथ या अकेले होते हैं, तभी इस दुनिया और कुदरत के साथ अपने गहरे संबंध का अहसास होता है इस संसार को और अधिक गहराई और अधिक समानुभूति के साथ प्रेम करके ही हम अपने दुखदाई अकेलेपन से बाहर हो सकते हैं ।

(i) उपरोक्त गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है?

क. अकेलेपन पर
ख. एकांत पर
ग. जीवन पर
घ. अध्यात्म पर

(ii) एकांत हमारे जीवन के लिए क्यों आवश्यक है?

क. परेशानी से भागने के लिए
ख. आध्यात्मिक चिंतन के लिए
ग. स्वयं को जानने के लिए
घ. अशांत मन को शांत करने के लिए

(iii) बायरन मनुष्य से अधिक प्रकृति से प्रेम क्यों करते थे?

क. प्रकृति की सुंदरता के कारण
ख. मनुष्य से घृणा के कारण
ग. एकांत प्रेम के कारण
घ. अकेलेपन के कारण

(iv) दुखद अकेलेपन से कैसे बाहर आया जा सकता है?

क. संसार से प्रेम करके
ख. सच्चे दोस्त बनाकर
ग. संसार की वास्तविकता को समझ कर
घ. संसार से मुक्त होकर

(v) एकांत की खुशबू को कैसे महसूस किया जा सकता है?

क. संसार से अलग होकर
ख. भीड़ में नहीं रहकर
ग. एकांत से प्रेम करके
घ. अकेले रहकर

(vi) गैंडे के सींग की क्या विशेषता होती है?

क. वह किसी को हानि नहीं पहुँचाता
ख. वह सींग नहीं वरन सींग का अपररूप होता है
ग. गैंडे अकेले रहते हैं इसलिए सींग भी अकेला रहता है
घ. अपनी दुनिया में मस्त रहना

(vii) धर्म के क्षेत्र में एकांत का क्या योगदान है?

क. समर्पण की भावना
ख. पूजा और साधना
ग. धर्मांधता से मुक्ति
घ. धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान

(viii) नई अंतर्दृष्टि से आप क्या समझते हैं?

क. नई खोज
ख. नया अनुसंधान
ग. नई संकल्पना
घ. नया सिद्धांत ।

(ix) ईश्वर एक अनुपस्थिति है- कैसे?

क. ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते
ख. ईश्वर कभी उपस्थित नहीं होते

ग. एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं घ. ईश्वर होते ही नहीं हैं

(x) निर्देश - नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथनों को अभिकथन (अ) और कारण (ब) के रूप में चिन्हित किया गया है | अपने उत्तर को नीचे दिए गए कोड के अनुसार चिन्हित कीजिए-

अभिकथन (अ) - हम जो एकांत में होते हैं, वही वास्तव में होते हैं |

कारण (ब) - एकांत हमारी चेतना की अंतर्वस्तु को पूरी तरह उघाड़ कर रख देता है |

(क) अ और ब दोनों सत्य हैं और ब, अ की सही व्याख्या है

(ख) अ सत्य है लेकिन ब असत्य

(ग) ब सत्य है लेकिन अ असत्य

(घ) अ और ब दोनों सत्य हैं और अ, ब की सही व्याख्या है

उत्तरमाला

(i) ख. एकांत पर
स्पष्टीकरण- सम्पूर्ण गद्यांश में एकांत का अर्थ, महत्व एवं प्रभाव पर चर्चा की गई है।

(ii) ग. स्वयं को जानने के लिए
स्पष्टीकरण- गद्यांश के अनुसार सबसे उपयुक्त विकल्प।

(iii) ग. एकांत प्रेम के कारण
स्पष्टीकरण- प्रकृति के एकांत से अधिक प्रेम के कारण।

(iv) क. संसार से प्रेम करके
स्पष्टीकरण-संसार को अधिक गहराई से प्रेम करके।

(v) ग. एकांत से प्रेम करके
स्पष्टीकरण- जो भीड़ से नहीं एकांत से प्रेम करे।

(vi) क. वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता
स्पष्टीकरण- गैंडे की सींग किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता।

(vii) घ. धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान
स्पष्टीकरण- धर्म के क्षेत्र में एकांत से ही उसके वास्तविक स्वरूप की पहचान होती है।

(viii) ग. नई संकल्पना
स्पष्टीकरण- नए विचार, नई आंतरिक कल्पनाएं

(ix) ग. एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं
स्पष्टीकरण- इसान एकांत में हो, तभी ईश्वर की अनुभूति होती है।

(x) क. अ और ब दोनों सत्य हैं और ब, अ की सही व्याख्या है
स्पष्टीकरण- लेखक के अनुसार एकांत के समय उसे असीम आनंद की प्राप्ति होती है, इस एकांतवास में किसी प्रकार मनोमालिन्य नहीं रहता बल्कि वह प्रकृति के ज्यादा नज़दीक रहता है

<u>अपठित गद्यांश 2</u>

समस्त ग्रंथों, अनुभवीजनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है | हमें कर्म के लिए जीवन मिला है | कठिनाइयाँ एवं दुख और कष्ट हमारे शत्रु हैं | जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके

हमें विजयी बनना है | अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि "कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं | विश्व के प्राय: समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त, अमेरिका के निर्माता जॉर्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है | इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परन्तु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए | संघर्ष के मार्ग पर अकेला चलना अकेले चलना पड़ता है | कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है | परिश्रम,दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं |

समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है यदि समस्याएं न हों, तो आदमी प्राय: अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा | यह समस्याएँ वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं | समस्या को समझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है | धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है | पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान का उपाय सोचें | जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उसके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा |

दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं -प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है | प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है | एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था - "तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा |" हम कोई भी कार्य करें सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें | सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी | समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना लौकिक एवं पारलौकिक सभी दृष्टि से अहितकर है | मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है आप जागिए,उठिए, दृढ़ संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रुपी विजय रथ पर चढ़ जाएँ और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए |

(i) मनुष्य के जीवन में सबसे जरूरी क्या है ?

क. कठिनाइयाँ एवं दु:ख	ख. सफलता
ग. कर्मशीलता	घ. यश

(ii) महापुरूषों का जीवन क्या संदेश देता है ?

क. संघर्षशीलता	ख. अपराजेयता
ग. संकटों का सामना करने का	घ. उपर्युक्त सभी

(iii) जीवन का पर्याय किसे कहा गया है ?

क. प्रगति को	ख. समस्याओं को
ग. सीखने को	घ. सक्रियता

(iv) मनुष्य का विकास कब रूक जाता है ?

क. लक्ष्य प्राप्ति के बाद	ख. सफलता न मिलने पर
ग. समस्याओं से पलायन करने पर	घ. सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने पर

(v) 'विजय रथ' को किसका रूप माना है ?

क. दृढ़ संकल्प — ख. उत्साह एवं साहस

ग. सकारात्मक मानसिकता — घ. उपर्युक्त सभी

(vi) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा ?

क. समस्याएँ — ख. संघर्ष ही जीवन है

ग. मानव धर्म — घ. महापुरूषों का जीवन

(vii) समस्याएँ अपने साथ क्या लाती है ?

क. दृढ़ इच्छा शक्ति — ख. साहस

ग. संघर्ष — घ. सफलता

(viii) संघर्ष के मार्ग पर किसकी सहायता मिलती है ?

क. बाहरी शक्ति से — ख. मित्रों से

ग. स्वयं से — घ. महान लोगों से

(ix) समस्त ग्रन्थों एवं महापुरूषों के अनुभवों का निष्कर्ष क्या है ?

क. संघर्ष से डरना एवं उससे विमुख न होना — ख. जीवन एक कर्मक्षेत्र है

ग. हमें कर्म के लिए जीवन मिला है — घ. उपर्युक्त सभी

(x) 'यशस्वी' का समानार्थी होगा -

क. प्रसिद्ध — ख. परिश्रमी

ग. श्रेष्ठ — घ. उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला

(i) क. कठिनाइयाँ एवं दु:ख
स्पष्टीकरण- कठिनाइयाँ एवं दुख के कारण ही मनुष्य कर्मशील होता है।

(ii) घ. उपर्युक्त सभी
स्पष्टीकरण- तीनों संदेश।

(iii) ख. समस्याओं को
स्पष्टीकरण- समस्याओं के कारण मनुष्य का जीवन सार्थक होता है।

(iv) ग. समस्याओं से पलायन करने पर
स्पष्टीकरण- समस्याओं से भागने पर।

(v) घ. उपर्युक्त सभी
स्पष्टीकरण- उपर्युक्त सभी का।

(vi) ख. संघर्ष ही जीवन है
स्पष्टीकरण- सम्पूर्ण गद्यांश मनुष्य के संघर्ष पर आधारित है।

(vii) ग. संघर्ष
स्पष्टीकरण- समस्याएं संघर्ष को जन्म देती हैं।

(viii) ग. स्वयं से
स्पष्टीकरण- गद्यांश के अनुसार अन्य तीन से ज्यादा सटीक।

(ix) घ. उपर्युक्त सभी

स्पष्टीकरण- तीनों निष्कर्ष सही हैं।

(x) क. प्रसिद्ध

स्पष्टीकरण- सबसे अधिक उपयुक्त।

अपठित गद्यांश 3

दुनिया शायद अभी तक के सबसे बड़े संकट से जूझ रही है । मौजूदा दौर की महामारी ने हर किसी के जीवन में हलचल मचा दी है । इस पर महामारी ने जीवन की सहजता को पूरी तरह बाधित कर दिया है । भारत में इतनी अधिक आबादी है कि इसमें किसी नियम कायदे को पूरी तरह से अमल में लाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है । इसमें महामारी के संक्रमण को रोकने के मकसद से पूर्णबंदी लागू की गई और ऐसे कमोबेश कामयाबी के साथ अमल में भी लाया गया । लेकिन यह सच है कि जिस महामारी से हम जूझ रहे है, उससे लड़ने में मुख्य रूप से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की ही बड़ी भूमिका है । लेकिन असली चिंता बच्चों और बुजुर्गो की ही आती है | इस मामले में ज्यादातर नागरिकों ने जागरूकता और सहजबोध की बजह से जरुरी सावधानी बरती है । लेकिन इसके समानान्तर दूसरी कई समस्याएँ खड़ी हुई हैं । मसलन आर्थिक गतिविधियाँ जिस बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, उसने बहुत सारे लोगों के सामने संकट और ऊहापोह की स्तिथि पैदा कर दी है । एक तरफ नौकरी और उसकी तनख्वाह पर निर्भर लोगों की लाचारी यह है कि उसके सामने यह आश्वासन था कि नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, वेतन नहीं रोका जाएगा, वही उनके साथ हुआ उल्टा । नौकरी गई, कई जगहों पर तनख्वाह नहीं मिली या कटौती की गई और किराए के घर तक छोड़ने की नौबत आ गई । इस महामारी का दूसरा असर शिक्षा जगत पर पड़ा है, उसका तार्किक समाधान कैसे होगा । यह लोगों के लिए समझना मुश्किल हो रहा है । खासतौर पर स्कूली शिक्षा पूरी तरह से बाधित होती दिख रही है । यों इसमें किए गए वैकल्पिक इंतजामों की वजह से स्कूल भले बंद हों, लेकिन शिक्षा को जारी रखने की कोशिश की गई है । स्कूल बंद होने पर बहुत सारे शिक्षकों को वेतन की चिन्ता प्राथमिक नहीं थी, बच्चों के भविष्य की चिन्ता उन्हें सता रही है । हालाँकि एक ख़ासी तादाद उन बच्चों की है, जो लैपटॉप या स्मार्ट फोन के साथ जीते है, लेकिन दूसरी ओर बहुत सारे शिक्षक ऐसे भी हैं, जिन्हें कंप्यूटर चलाना नहीं आता । उन सबके सामने चुनौती है ऑनलाइन कक्षाएँ लेने की । सबने हार नहीं मानी और तकनीक को खुले दिल से सीखा । इस तरह फ़िलहाल जो सीमा है, उसमें पढाई-लिखाई को जारी रखने की पूरी कोशिश की जा रही है ।

(i) उपरोक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है ?

क. बेरोजगारी ख. शिक्षा की समस्या

ग. आर्थिक सकट घ. महामारी का प्रभाव

(ii) पूर्णबन्दी लागू क्यों की गई ?

क. संक्रमण को रोकने के लिए ख. लोगों की आवाजाही रोकने के लिए

ग. नियम लागू करने के लिए घ. लोगों द्वारा नियम नहीं मानने के कारण

(iii) हमें बच्चों और बुजुर्गों की चिन्ता क्यों है ?

क.कमजोर और अक्षम होने के कारण ख.प्रतिरोध क्षमता के अभाव के कारण

ग.अधिक बीमार रहने के कारण घ. बीमारी का अधिक प्रभाव पड़ने के कारण

(iv) स्कूली शिक्षा को जारी रखने की कोशिश क्यों की जा रही है?
क.प्राइवेट स्कूल के दबाव के कारण ख. शिक्षा जारी रखने के कारण
ग.बच्चों की चिन्ता के कारण घ.शिक्षकों के वेतन के लिए
(v) ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती कैसे है ?
क.शिक्षक की अकुशलता के कारण ख.तकनीकी रूप से योग्य नहीं होना
ग.साधन नहीं होने के कारण घ.अभिभावकों की रूचि नहीं होने के कारण
(vi)शिक्षकों ने तकनीक को खुले दिल से क्यों सीखा?
क.ऑनलाइन पढ़ने की मज़बूरी के कारण ख. अपनी सैलरी के कारण
ग.बच्चों की चिन्ता के कारण घ.अभिभावकों के भय से
(vii) महामारी के समय में भी शिक्षकों ने शिक्षक होने का बोध कराया है- कैसे?
क. बच्चों की शिक्षा की चिन्ता द्वारा ख. अपनी नौकरी की चिन्ता द्वारा
ग. अपनी सैलरी की चिन्ता द्वारा घ. तकनीक सीखने की हिम्मत द्वारा
(viii) जीवन की सहजता के बाधित होने से आप क्या समझते है ?
क. जीवन में कठिनाई उत्पन्न हो जाना ख. जीवन में संकट उत्पन्न हो जाना
ग. जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना घ. जीवन में आराम नहीं होना
(ix) भारत में नियम-कानून लागू करना चुनौती क्यों है?
क. लोग अधिक होने से ख. अनपढ़ होने से
ग. नियम नहीं मानने से घ. नियम कानून की समझ नहीं होने से
(x) लोगों के जीवन में ऊहापोह की स्थिति कैसे आ गई?
क. महामारी आ जाने से ख. आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो जाने से
ग. नौकरी चले जाने से घ. तनख्वाह नहीं मिलने से

उत्तरमाला

(i) घ. महामारी का प्रभाव
स्पष्टीकरण- महामारी के प्रभाव की विस्तार से चर्चा की गई है।
(ii) क. संक्रमण को रोकने के लिए
स्पष्टीकरण- महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए।
(iii) ख. प्रतिरोध क्षमता के अभाव के कारण
स्पष्टीकरण- बच्चों और बुजुर्गों में प्रतिरोधक क्षमता की कम होती है।
(iv) ग. बच्चों की चिंता के कारण
स्पष्टीकरण- बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य की चिंता के कारण।
(v) क. शिक्षक की अकुशलता
स्पष्टीकरण- शिक्षक की तकनीकी अकुशलता के कारण।
(vi) ग. बच्चों की चिंता के कारण
स्पष्टीकरण- अन्य तीन से अधिक उपयुक्त।
(vii) क. बच्चों की शिक्षा की चिंता के द्वारा
स्पष्टीकरण- अन्य तीन से ज्यादा उपयुक्त।

(viii) ग. जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना

स्पष्टीकरण- संघर्ष बढ़ने से सहजता समाप्त हो जाती है।

(ix) क. लोग अधिक होने से

स्पष्टीकरण- जनसंख्या की अधिकता।

(x) ख. आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने से

स्पष्टीकरण- अन्य तीन से अधिक उपयुक्त।

अपठित गद्यांश 4

लोकतंत्र के मूलभूत तत्त्व को समझा नहीं गया है और इसलिए लोग समझते हैं कि सब कुछ सरकार कर देगी, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है | लोगों में अपनी पहल से जिम्मेदारी उठाने और निभाने का स्तर विकसित नहीं हो पाया है, फलस्वरूप देश की विशाल मानव शक्ति अभी खर्राटे लेती पड़ी है और देश की पूंजी उपयोगी बनाने के बदले आज बोझरूप बन बैठी है| लेकिन उसे नींद से झकझोर कर जागृत करना है| किसी भी देश को महान बनाते हैं उसमें रहने वाले लोग | लेकिन अभी हमारे देश के नागरिक अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं | चाहे सड़क पर चलने की बात हो अथवा साफ-सफाई की बात हो, जहां तहां हम लोगों को गंदगी फैलाते और बेतरतीब ढंग से वाहन चलाते देख सकते हैं, फिर चाहते हैं सब कुछ सरकार ठीक कर दे |सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है | वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली है, विशाल बांध बनवाए हैं, फौलाद के कारखाने खोले हैं, आदि- आदि बहुत सारे काम सरकार के द्वारा हुए हैं, पर अभी करोडों लोगों को कार्य में प्रेरित नहीं किया जा सका है |

वास्तव में होना तो यह चाहिए कि लोग अपनी सूझबूझ के साथ अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों और अपने पास जो कुछ साधन सामग्री हो उसे लेकर कुछ करना शुरू कर दें और फिर सरकार उसमें आवश्यक मदद करे | उदाहरण के लिए गांव वाले बड़ी-बड़ी पंचवर्षीय योजनाएं नहीं समझ सकेंगे पर वे लोग यह बात जरूर समझ सकेंगे कि अपने गांव में कहाँ कुआं चाहिए, कहां सिंचाई की जरूरत है, कहां पुल की आवश्यकता है, बाहर के लोग इन सब बातों से अनभिज्ञ होते हैं |

(i) निर्देश - नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथनों को अभिकथन (अ) और कारण (ब) के रूप में चिन्हित किया गया है | अपने उत्तर को नीचे दिए गए कोड के अनुसार चिन्हित कीजिए-

अभिकथन (अ) गाँव का विकास गाँव के लोग ही कर सकते हैं |

कारण (ब) - बाहर के लोग गाँव की जरूरतों से अनभिज्ञ होते हैं |

क. ब सत्य है लेकिन अ असत्य

ख. अ सत्य है लेकिन ब असत्य

ग. अ और ब दोनों सत्य हैं और ब, अ की सही व्याख्या है

घ. अ और ब दोनों सत्य हैं और अ, ब की सही व्याख्या है

(ii) किसी देश की महानता निर्भर करती है

क. वहाँ की सरकार पर ख. वहाँ के निवासियों पर

ग. वहाँ के इतिहास पर घ. वहाँ की पूंजी पर

(iii) सरकार के कामों के बारे में कौन सा कथन सही नहीं है

क.वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ बनवाई हैं ख. विशाल बांध बनवाए हैं

ग. वाहन चालकों को सुधारा है　　घ. फौलाद के कारखाने खोले हैं

(iv) सरकारी व्यवस्था में किस कमी की ओर लेखक ने संकेत किया है ?

क. गांव से जुड़ी समस्याओं के निदान में ग्रामीणों की भूमिका को नकारना

ख. योजनाएं ठीक से न बनाना

ग. आधुनिक जानकारी का अभाव

घ. जमीन से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान न देना

(v) "झकझोर कर जागृत करना "का भाव गद्यांश के अनुसार होगा-

क. नींद से जगाना　　ख. सोने ना देना

ग. जिम्मेदारी निभाना　　घ. जिम्मेदारियों के प्रति सचेत करना

(vi) लोकतंत्र में लोग समझते है -

क. सरकार सबकुछ देगी　　ख. हमें सबकुछ करना होगा

ग. राजनीतिक पार्टी हमें सब देगी　　घ. समाज हमें सबकुछ देगा

(vii) गाँव वाले क्या नहीं समझ सकेंगे -

क. कहाँ पुल की आवश्यकता है　　ख. कहाँ कुआँ चाहिए

ग. पंचवर्षीय योजनाओं को नहीं समझ सकेंगे　　घ. कहाँ सिंचाई की जरूरत है

(viii) सरकार के कामों के बारे में कौन सा कथन सही है

क.वैज्ञानिक प्रयोगशाला बनवाई है　　ख. विशाल बांध बनवाए हैं

ग. फौलाद के कारखाने खुले हैं　　घ.उपरोक्त तीनों

(ix) देश के नागरिक अपनी कौन सी ज़िम्मेदारी निभाते हैं?

क. साफ-सफाई की　　ख.नियमानुसार सड़क पर चलने की

ग. नियमानुसार सड़क पर वाहन चलाने की　　घ. इनमे से कोई नहीं

(x) लोगों को कैसा होना चाहिए ?

क. अपनी सूझ-बूझ से काम करें　　ख. अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों

ग. उपलब्ध साधन -सामग्री से काम शुरू कर दें　　घ.उक्त सभी

उत्तरमाला

(i) ग. अ और ब दोनों सत्य हैं और ब, अ की सही व्याख्या है

स्पष्टीकरण- गद्यांश के अनुसार गाँव की जरूरते वहाँ रहने वाले लोग ही जानते हैं जबकि बाहरी व्यक्ति वास्तविक ज़रूरत से अनभिज्ञ हो सकता है

(ii) ख. वहाँ के निवासियों पर

(iii) ग. वाहन चालकों को सुधारा है

स्पष्टीकरण- अन्य तीनों कार्य सरकार करवाती है।

(iv) क. गांव से जुड़ी समस्याओं के निदान में ग्रामीणों की भूमिका को नकारना

स्पष्टीकरण- अन्य तीनों कार्य में सरकार की कमी नहीं है।

(v) घ. जिम्मेदारियों के प्रति सचेत करना

(vi) क. सरकार सबकुछ देगी

स्पष्टीकरण- अन्य तीन से अधिक उपयुक्त।

(vii) ग. पंचवर्षीय योजनाओं को नहीं समझ सकेंगे

(viii) घ. उपरोक्त तीनों

स्पष्टीकरण- सरकार उपर्युक्त कीनों कार्य करवाती है।

(ix) घ. इनमे से कोई नहीं

स्पष्टीकरण- विकल्पों में दी गई कोई भी जिम्मेदारी नहीं निभाते हैं।

(x) घ. उक्त सभी

स्पष्टीकरण- उपर्युक्त सभी कार्य लोगों को करना चाहिए।

अपठित गद्यांश 5

सुव्यवस्थित समाज का अनुसरण करना अनुशासन कहलाता है। व्यक्ति के जीवन में अनुशासन का बहुत महत्त्व है। अनुशासन के बिना मनुष्य अपने चरित्र का निर्माण नहीं कर सकता तथा चरित्रहीन व्यक्ति सभ्य-समाज का निर्माण नहीं कर सकता। अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए भी मनुष्य को अनुशासनबद्ध होना अति अनिवार्य है। विद्यार्थी जीवन मनुष्य के भावी जीवन की आधारशिला होता है, अतः विद्यार्थियों के लिए अनुशासन में रह कर जीवन यापन करना अत्यंत आवश्यक है।

वर्तमान समाज में सर्वत्र अव्यवस्था का साम्राज्य फैला हुआ है। विद्यार्थी, राजनेता, सरकारी कर्मचारी, श्रमिक आदि सभी स्वयं को स्वतंत्र भारत का नागरिक मानकर मनमानी कर रहे हैं। शासन में व्याप्त अस्थिरता समाज के अनुशासन को भी प्रभावित कर रही है। यदि किसी को अनुशासन में रहने के लिए कहा जाए तो वह 'शासन का अनुसरण' करने की बात कहकर अपनी अनुशासनहीनता पर पर्दा डालने का प्रयास करता है। वास्तव में अनुशासन शब्द का अर्थ अपने पर नियंत्रण ही है। विद्यार्थी जीवन में अबोधता के कारण उन्हे भले बुरे की पहचान नहीं होती। ऐसी स्थिति में थोड़ी सी असावधानी उन्हें अनुशासनहीन बना देती है। आजकल विद्यार्थियों की पढाई में रूचि नहीं है। वे आधुनिक शिक्षा पद्धति को बेकारों की सेना तैयार करने वाली नीति मान कर इसके प्रति उदासीन हो गए हैं तथा फैशन, सुख-सुविधापूर्ण जीवन जीने के लिए गलत रास्तों पर चलने लगे हैं। वर्तमान जीवन में व्याप्त राजनीतिक दलबंदी भी विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता को प्रोत्साहित करती है। राजनीतिक नेता अपने स्वार्थ के लिए विद्यार्थियों को भड़का देते हैं तथा विद्यार्थी वर्ग भले-बुरे की चिंता किए बिना तोड़-फोड़ में लग जाता है।

आधुनिक युग में अति व्यस्त जीवन पद्धति के कारण माता पिता अपनी संतान का पूरा ध्यान नहीं रख पाते। चार-पांच घंटे कॉलेज में रहने वाला विद्यार्थी उन्नीस-बीस घंटे तो अपने परिवारजनों के साथ ही रहता है। पारिवारिक परिवेश का उस पर बहुत प्रभाव पडता है। यदि उसके माता-पिता अनुशासित जीवन नहीं जीते तो उसे भी उच्श्रृंखल जीवन जीना पड़ता है। वे माता पिता जो अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते, उनके बच्चों में भी समय पाबंदी और मूल्यों को लेकर संदेह बना रहता है तथा बच्चे भी शिक्षा की तरफ ध्यान नहीं दे पाते। विद्यार्थियों में अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष योजना चलानी चाहिए; ताकि उनमें नैतिक व चारित्रिक उत्थान को बढ़ाया जा सके। इस प्रकार के प्रोत्साहनों से उन्हे अपने कर्त्तव्य का बोध कराया जा सकता है। अतः हम कह सकते है कि अनुशासन से ही विद्यार्थियों के साथ-साथ राष्ट्र को ऊंचा उठाया जा सकता है। इससे उसके स्वभाव व सद्वृत्तियों को ऊंचा उठाया जा सकता है। ऐसा विद्यार्थी समाज और राष्ट्र का नाम करता है। उसमें सद्गुण और कर्मठता के गुण आते है। परिश्रम और कर्त्तव्य के द्वारा वह देश सेवा करता है।

(i) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(क)परिश्रम और कर्तव्य (ख) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(ग)युवा-शक्ति (घ) जीवन की सीख

(ii) अनुशासन से क्या अभिप्राय है ?

(क) दूसरों पर शासन (ख) कड़ी कानून व्यवस्था

(ग) नैतिक व चारित्रिक शिक्षा (घ) स्वयं पर नियंत्रण

(iii) माता पिता का बच्चों के प्रति क्या कर्त्तव्य होना चाहिए ?

(क)उनको सही दिशा और मार्गदर्शन देना चाहिए

(ख) उनको दंड देना चाहिए

(ग)उन्हें हर निर्णय हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए

(घ) उन्हें हमेशा संरक्षण देना चाहिए

(iv) मानव जीवन के विकास हेतु क्या आवश्यक है?

(क)जो मन में आए वह करना (ख) आज्ञा का पालन करने वाला

(ग)अनुशासन का पालन (घ) जीवन का प्रतिबंधों के अधीन होना

(v) वर्तमान समाज में किस प्रकार की स्थिति होनी चाहिए ?

(क)नैतिक शिक्षा अनिवार्य हो

(ख) अनुशासन,सद्गुणों का पालन करता कर्मरत समाज

(ग)बच्चों में समय की पाबंदी व मूल्यों का विकास

(घ) विरोध के लिए संभावना हो

(vi) आजकल विद्यार्थी पढ़ाई के प्रति उदासीन क्यों हैं?

(क)सामाजिक, घरेलू और आस पास की परिस्थितियां राह नहीं दिखा रही

(ख) जीवन आत्मकेंद्रित है

(ग)माता-पिता अति व्यस्त हैं

(घ) शिक्षा व्यवस्था पूर्णतः दोषपूर्ण है

(vii) परिश्रमी और कर्मण्य शब्दों के विलोम शब्द लिखिए |

(क) अपरिश्रमी,अकर्मण्य (ख) मेहनती,अकर्मण्य

(ग) अपरिश्रमी,भाग्यवादी (घ) इनमें कोई नहीं

(viii) विद्यार्थियों का दृष्टिकोण आजकल क्या होने लगा है

(क) आधुनिक शिक्षा पद्धति के प्रति उदासीनता (ख) मूल्यों को लेकर संदेह

(ग) राजनैतिक दलबंदी की ओर आकर्षण (घ) उपरोक्त सभी

(ix) संतान को लेकर आजकल माता-पिता की क्या स्थिति है?

(क) वे बच्चों की पूरी देखरेख करते हैं (ख) बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते

(ग) बच्चों के काम में हस्तक्षेप नहीं करते (घ) बच्चों से कठोरता करते हैं

(x) कर्मठता शब्द में कौन सा प्रत्यय है?

(क) कर्मठ (ख) कर्म

(ग) ठता (घ) ता

उत्तरमाला

(i) (ख) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

स्पष्टीकरण- पूरा गद्यांश जीवन में अनुशासन के महत्व पर केंद्रित है।

(ii) (घ) स्वयं पर नियंत्रण

स्पष्टीकरण- अन्य तीन से अधिक उपयुक्त।

(iii) (क) उनको सही दिशा और मार्गदर्शन देना चाहिए

(iv) (ग) अनुशासन का पालन

स्पष्टीकरण- अन्य तीन से अधिक आवश्यक।

(v) (ख) अनुशासन, सद्गुणों का पालन करता कर्मरत समाज

(vi) (क) सामाजिक, घरेलू और आस पास की परिस्थितियाँ राह नहीं दिखा रहीं

(vii) (क) अपरिश्रमी, अकर्मण्य

स्पष्टीकरण- सही विलोम शब्द।

(viii) (घ) उपरोक्त सभी

स्पष्टीकरण- विद्यार्थियों का दृष्टिकोण उपर्युक्त सभी प्रकार का होने लगा है।

(ix) (ख) बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते

(x) (घ) ता

स्पष्टीकरण- मूल शब्द - कर्मठ, प्रत्यय - ता।

<u>अपठित पद्यांश (निर्धारित अंक:05)</u>

ख. **दो अपठित पद्यांश में से कोई एक पद्यांश करना होगा। (शब्द सीमा-250) 1अंक×5 प्रश्न |**

सामान्य निर्देश-

- अपठित पद्य के बहुविकल्पीय प्रश्न 1-1 अंक के कुल 5 होंगे |
- अपठित पद्यांश को पूरे मनोयोग से कम से कम दो बार पढ़ना चाहिए ताकि उसका मूलभाव समझा जा सके ।
- पद्यांश में दिए गए कठिन शब्दों का अर्थ जानने का प्रयास करना चाहिए |
- दिए गए चार विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन करें | पद्यांश के बाहर के मिलते-जुलते भाव वाले उत्तरों पर ध्यान नहीं देना चाहिए |
- शीर्षक का चयन करते समय ध्यान रहे कि शीर्षक पद्यांश की मूलभावना को प्रकट करता हो |

प्रश्न:-निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए- 1अंक ×5 प्रश्न= 5 अंक

अपठित पद्यांश -1

जो साथ फूलों के चले
जो ढाल पाते ही ढले
वह जिंदगी क्या जिंदगी
जो सिर्फ पानी -सी बही
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए
हम या कि तुम
जो नत हुआ वह मृत हुआ
ज्यों वृत से झरकर कुसुम
जो भी परिस्थितियां मिलें
काँटे चुभे कलियाँ खिलें
हारे नहीं इंसान है, संदेश जीवन का यही।
सच तुम नहीं सच हम नहीं
सच है महज संघर्ष ही
जब तक बँधी है चेतना
जब तक हृदय दुख से घना
तब तक न मानूंगा कभी इस राह को ही मैं सही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
सच है महज संघर्ष ही।

(i) फूलों के साथ चलने से क्या तात्पर्य है?
क.फूलों-सा संक्षिप्त जीवन
ख. सुविधाओं को ही ध्येय मानना
ग. बाग में चलना
घ. कांटो से डरना
(ii) कवि नत को मृत क्यों मानता है?
क अपनी हार स्वीकार करना
ख.कायरता मृत्यु के समान है
ग. पराजय कमजोर बनाती हैं
घ.विनम्रता गुण है मृत्यु नहीं
(iii) दुनिया का सबसे बड़ा सत्य क्या है?
क.साहस
ख. स्वार्थ
ग. संघर्ष
घ.समर्पण

(iv) बंधी हुई चेतना को कवि सही क्यों नहीं मानता?

क.बंधन में सही निर्णय नहीं होता

ख. बंधन डराता है

ग. बंधन स्वतंत्र नहीं रहने देता

घ.बंधन मन को भी बांध देता है

(v) कांटे किसके प्रतीक हैं?

क.चुभन के

ख. कष्टों के

ग. नुकीली चीजों के

घ.तराजू के

उत्तरमाला

(i) ख. सुविधाओं को ही ध्येय मानना
स्पष्टीकरण- फूल सुख-सुविधाओं का प्रतीक है।

(ii) ख.कायरता मृत्यु के समान है
स्पष्टीकरण- कायर व्यक्ति ही दूसरों के सामने झुकता है।

(iii) ग. संघर्ष
स्पष्टीकरण- अन्य तीन से अधिक उपयुक्त।

(iv) ख. बंधन डराता है
स्पष्टीकरण- बंधन व्यक्ति को अंदर से डराता है।

(v) ख. कष्टों के
स्पष्टीकरण- फूल सुख के और कांटे कष्ट के प्रतीक हैं।

<u>अपठित पद्यांश-2</u>

एक दिन भी जी मगर तू ताज बन कर जी
अटल विश्वास बनकर जी;
अमर युग-गान बनकर जी!
आज तक तू समय के पद-चिन्ह सा खुद को मिटाकर
कर रहा निर्माण जग-हित एक सुखमय स्वर्ग सुंदर
स्वार्थी दुनिया मगर बदला तुझे यह दे रही है-
भूलता युग-गीत तुझको ही सदा तुझसे निकलकर
'कल' न बन तू जिंदगी का 'आज' बनकर जी
जगत सरताज बनकर जी!
जन्म से उड़ रहा निस्सीम इस नीले गगन पर,
किन्तु फिर भी छांह मंजिल की पड़ती नहीं नयन पर,
और जीवन लक्ष्य पर पहुँचे बिना जो मिट गया तू-
जग हँसेगा खूब तेरे इस करुण असफल मरण पर,

ओ मनुज! मत विहंग बन आकाश बनकर जी,
अटल विश्वास बनकर जी !

(i) कवि ने मनुष्य को एक ही दिन जीने की प्रेरणा क्यों दी है?
क.सम्मानित एक दिन अपमानित दस दिनों से अच्छा होता है
ख. अच्छी परंतु छोटी जिंदगी स्वीकार्य नहीं है
ग. स्वार्थी परंतु लंबी जिंदगी अच्छी होती है
घ.एक दिन के लिए ही सही ताज की तरह सुंदर बनकर जीना अच्छा होता है
(ii) दुनिया को स्वार्थी क्यों कहा गया है?
क.वह केवल अपने लिए जीती है
ख. वह मनुष्य के कल्याण मार्ग से केवल अपना स्वार्थ साधती है
ग. वह दूसरों के बारे में भी सोचती है
घ.वह दूसरों का बुरा सोचती है
(iii) 'कल' और 'आज' शब्द किसके प्रतीक हैं?
क.'कल' आने वाला कल और 'आज' वर्तमान का
ख. 'कल' मशीन का और 'आज' वर्तमान के सुख का
ग. 'कल' अतीत का और 'आज' सबको याद आने वाला
घ.'कल' भुला देने वाला और 'आज' सबको याद आने वाला
(iv) 'विहंग' शब्द का तात्पर्य है -
क.धरती
ख.गगन
ग.पंछी
घ.आकाश
(v) इस काव्यांश का शीर्षक है-
क.राजा का ताज बनकर जी
ख. तू ताज बनकर जी
ग.स्वार्थी बनकर जी
घ.नि:स्वार्थी बनकर जी

उत्तरमाला

(i) घ.एक दिन के लिए ही सही ताज की तरह सुंदर बनकर जीना अच्छा होता है
स्पष्टीकरण- पद्यांश के अनुसार उपयुक्त विकल्प है।
(ii) ख. वह मनुष्य के कल्याण मार्ग से केवल अपना स्वार्थ साधती है
(iii) घ. 'कल' भुला देने वाला और 'आज' सबको याद आने वाला
(iv) ग. पंछी
स्पष्टीकरण- विहंग का अर्थ - पंछी।
(v) ख. तू ताज बनकर जी

अपठित पद्यांश -3

वीर जवानों, सुनो, तुम्हारे सम्मुख एक सवाल है।
जिस धरती को तुमने सींचा
अपने खून पसीनों से
हार गई दुश्मन की गोली
वज्र सरीखे सीनों से।
जब-जब उठीं तुम्हारी बाँहें, होता वश में काल है।
जिस धरती के लिए सदा
तुमने सब कुछ कुर्बान किया
शूली पर चढ़-चढ़ हँस-हँस कर
कालकूट का पान किया।
जब-जब तुमने कदम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं।
उस धरती को टुकड़े-टुकड़े
करना चाह रहे दुश्मन
बड़े गौर से अजब तुम्हारी
चुप्पी थाह रहे दुश्मन
जाति-पाँति, वर्गों-फिरकों के, वह फैलाता जाल है।
कुछ देशों की लोलुप नजरें
लगी तुम्हारी ओर हैं
कुछ अपने ही जयचंदों के
मन में बैठा चोर है।
सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल है।

(i) आशय स्पष्ट कीजिए-

" जब-जब उठीं तुम्हारी बाँहें, होता वश में काल है।"

क.जब भी तुम जय-जयकार करते हो, सब कुछ तुम्हारे बस में हो जाता है।
ख.जब भी तुम संघर्ष करने को तैयार होते हो, मौत भी घबरा जाती है।
ग. जब तुम समर्पण कर देते हो तो मृत्यु भी वरदान देती है।
घ.जब तुम समर्थन करते हो तो मौत भी गुलाम हो जाती है

(ii) देश के शत्रु क्या करना चाहते हैं?

क.हिंसा फैलाना
ख. सरकार पर कब्जा करना
ग. देश को तोड़ना
घ.भेदभाव फैलाना

(iii) 'जयचंद' का आशय है-

क. मूर्ख

ख. गुलाम
ग. विदेशी शत्रु
घ.गद्दार

(iv) अपने ही जयचंद किन्हें कहा गया है?

क. ऐसे लोग जो देश में रहते हुए भी विदेशी इशारों पर देशद्रोह कर रहे हैं।
ख. ऐसे लोग जो देश को तोड़ रहे हैं।
ग.ऐसे लोग जो अपने स्वार्थवश शत्रुओं को भारत में बुला रहे हैं।
घ. ऐसे लोग जो विदेश में रहकर भारत के विरुद्ध षड्यंत्र कर रहे हैं।

(v) **निर्देश - नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथनों को अभिकथन (अ) और कारण (ब) के रूप में चिन्हित किया गया है | अपने उत्तर को नीचे दिए गए कोड के अनुसार चिन्हित कीजिए-**

अभिकथन (अ) काल भी वश में हो सकता है |
कारण (ब) - वीर जवानों ने कालकूट का पान किया |
(क) ब सत्य है लेकिन अ असत्य
(ख) अ सत्य है लेकिन ब असत्य
(ग) अ और ब दोनों सत्य हैं लेकिन ब, अ की सही व्याख्या नहीं है
(घ) अ और ब दोनों सत्य हैं और अ, ब की सही व्याख्या है

<u>उत्तर माला</u>

(i) ख.जब भी तुम संघर्ष करने को तैयार होते हो, मौत भी घबरा जाती है।
स्पष्टीकरण- बाँहें उठाने का अर्थ संघर्ष करने से है।

(ii) ग. देश को तोड़ना

(iii) घ. गद्दार
स्पष्टीकरण- जयचन्द गद्दार का प्रतीक है।

(iv) ग. ऐसे लोग जो अपने स्वार्थवश शत्रुओं को भारत में बुला रहे हैं।

(v) ग. अ और ब दोनों सत्य हैं लेकिन ब, अ की सही व्याख्या नहीं है
स्पष्टीकरण- पद्यांश के अनुसार दोनों वाक्य सही हैं लेकिन अभिकथन का कारण से सीधा संबंध नहीं है

अपठित पद्यांश -4

क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये, क्या विद्युत-घन के नर्तन,
मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन-तर्जन।
मैं अविराम पथिक अलबेला, रुके न मेरे कभी चरण,
शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन।
मैं विपदाओं में मुसकाता, नव आशा के दीप लिए
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, जीवन के उत्थान-पतन,
मैं अटका कब, कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल
रोक सकी पगले कब मुझको,यह युग की प्राचीर निबल

आँधी हो, ओले-वर्षा हों, राह सुपरिचित है मेरी,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये जग के खंडन-मंडन।
मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन,
मुझे पथिक कब रोक सके हैं, अग्निशिखाओं के नर्तन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर, तन-मन में उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल-विद्युत नर्तन।

(i) उपर्युक्त काव्यांश में कवि के स्वभाव की किन प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

क. गतिशीलता, साहस व संघर्षशीलता
ख. सुंदरता का
ग. मुस्कराहट की शक्ति का
घ. उन्माद का

(ii) कविता में आए मेघ, विद्युत और ज्वालामुखी किनके प्रतीक हैं?

क. गतिशीलता, साहस व संघर्षशीलता
ख. जीवनपथ में आई बाधाओं के
ग. जीवन के उत्थान-पतन के
घ. बादल-विद्युत नर्तन के

(iii) कवि की राह में कौन बाधक नहीं है ?

क. प्रलय मेघ
ख. विद्युत-घन के नर्तन
ग. सागर के गर्जन-तर्जन
घ. उन्माद

(iv) निर्देश - नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथनों को अभिकथन (अ) और कारण (ब) के रूप में चिन्हित किया गया है | अपने उत्तर को नीचे दिए गए कोड के अनुसार चिन्हित कीजिए-

अभिकथन (अ) पथिक को युग की बाधाएँ नहीं रोक सकतीं |
कारण (ब) - कवि अविराम निरंतर बढ़ता जाता है |
(क) ब सत्य है लेकिन अ असत्य
(ख) अ सत्य है लेकिन ब असत्य
(ग) अ और ब दोनों सत्य हैं लेकिन ब, अ की सही व्याख्या नहीं है
(घ) अ और ब दोनों सत्य हैं और ब, अ की सही व्याख्या है

(v) 'युग की प्राचीर' से क्या तात्पर्य है?

क. जीवनपथ में आई बाधाएँ
ख. आँधी, ओले-वर्षा
ग. समय की बाधाएँ
घ. जीवन मार्ग की सुविधाएँ

उत्तर माला

(i) क. गतिशीलता, साहस व संघर्षशीलता

स्पष्टीकरण- उपर्युक्त तीनों विशेषताओं का।

(ii) ख. जीवनपथ में आई बाधाओं के

(iii) घ. उन्माद

(iv) घ. अ और ब दोनों सत्य हैं और ब, अ की सही व्याख्या है

स्पष्टीकरण- पद्यांश के अनुसार पथिक समय की समस्त बाधाओं का सामना करते हुए निरंतर गतिमान है

(v) ग. समय की बाधाएँ

<u>अपठित पद्यांश -5</u>

नीड़ का निर्माण फिर फिर नेह का आह्वान फिर-फिर
वह उठी आँधी कि नभ में छा गया सहसा अँधेरा
धूलि-धूसर बादलों ने भूमि को इस भाँति घेरा,
रात-सा दिन हो गया फिर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा, इस निशा का फिर सवेरा,
रात के उत्पाद-भय से
भीत जन-जन, भीत कण-कण
किंतु प्राची से उषा की
मोहिनी मुसकान फिर-फिर।
नीड़ का निर्माण फिर-फिर नेह का आह्वान फिर-फिर!
वह चले झोंके कि काँपे भीम कायावान भूधर,
जड़ समेत उखड़-पुखड़कर गिर पड़े, टूटे विटप वर,
हाय, तिनकों से विनिर्मित घोसलों पर क्या न बीती,
डगमगाए जबकि कंकड़, ईंट, पत्थर के महल-घर;
बोल आशा के विहंगम, किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता गर्व से निज तान फिर-फिर!
नीड़ का निर्माण फिर-फिर नेह का आह्वान फिर-फिर!

(i) आँधी तथा बादल किसके प्रतीक हैं?

क. क्रांति के

ख. संकट व विनाश के

ग. प्रेम व सौंदर्य के

घ. इनमें से कोई नहीं

(ii) कवि निर्माण का आह्वान करता है। क्योंकि--

क. वह सृजन और निर्माण में विश्वास करता है

ख. वह निराशावादी है

ग. वह भय से पीड़ित है

घ. वह क्रांति करना चाहता है

(iii) कवि इस बात से भयभीत है कि-

क. अब रात नहीं होगी

ख. अब सवेरा नहीं होगा

ग. उसका घर-बार नष्ट हो जाएगा

घ. वह मर जाएगा

(iv) कौन मानव-मन को प्रेरणा देती है?

क. बाधाएँ

ख. रात का भय

ग. आँधी और बादल

घ. उषा की मुस्कान

(v) 'रात आई और काली' का आशय क्या है?

क. काली रात आ गई।

ख. बहुत डरावनी रात आई।

ग. विनाश ने रात के रूप मे रौद्र रूप धारण कर लिया

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला

(i) क. क्रांति के
स्पष्टीकरण- आँधी तथा बादल क्रांति और परिवर्तन के प्रतीक होते हैं।

(ii) क. वह सृजन और निर्माण में विश्वास करता है
स्पष्टीकरण- पद्यांश के अनुसार कवि सृजन और निर्माण में विश्वास करता है।

(iii) ख. अब सवेरा नहीं होगा

(iv) घ. उषा की मुस्कान
स्पष्टीकरण- उषाकाल आशा का प्रतीक है।

(v) ग. विनाश ने रात के रूप मे रौद्र रूप धारण कर लिया
स्पष्टीकरण- अधिक काली रात रौद्र रूप का प्रतीक है।

<u>कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन(निर्धारित अंक:05)</u>

***अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से बहुविकल्पात्मक प्रश्न (1अंक x 5 प्रश्न)**

<u>विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन</u>

(i) प्रिंट माध्यम

1 मुद्रण की सर्वप्रथम शुरुआत कहाँ हुई?

क. चीन

ख. जापान

ग. जर्मनी

घ. भारत

2 आधुनिक मुद्रण (प्रेस) का आविष्कारक कौन है?

क. जितेनबर्ग

ख. जी मारकोनी

ग. गुटेनबर्ग

घ. थॉमस अल्वा एडिसन

3 भारत में पहला छापाखाना कब और कहां शुरू हुआ?

क.1556 दिल्ली में

ख. 1556 गोवा में

ग. 1856 गोवा में

घ. 1936 दिल्ली में

4 मुद्रित माध्यम की विशेषता नहीं है।

क.स्थायित्व

ख. लिखित भाषा का विस्तार

ग. वैचारिक माध्यम

घ. एक रेखीय माध्यम

5 मुद्रित माध्यमों के लिए कथन सही नहीं है।

क.साक्षरों के लिए ही उपयोगी है

ख. डेडलाइन का ध्यान रखना पड़ता है

ग. निश्चित स्थान एवं समय सीमा का ध्यान रखना पड़ता है

घ. कभी भी अपडेट हो सकते हैं।

6 मुद्रित माध्यम के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है।

क.यह विचार चिंतन एवं विश्लेषण का माध्यम है

ख. इसे लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं

ग. यह सभी प्रकार के व्यक्तियों के लिए सर्वथा उचित है

घ. इसमें अशुद्धि सुधार के लिए अगले अंक की प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

7 भारत में मिशनरियों ने किस उद्देश्य से छापाखाना की शुरुआत की थी?

क.धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए

ख. राजाओं की सहायता करने के लिए

ग. भारतीयों को शिक्षित करने के लिए

घ. अपने समुदाय को अधिक ज्ञानी एवं योग्य बनाने के लिए

8 मुद्रित माध्यम की विशेषता है-

क. इसे पहले पृष्ठ से ही पढ़ने की बाध्यता होती है

ख. इसमें लिखित भाषा की विशेषताएं शामिल नहीं होती

ग. इसमें स्थायित्व नहीं होता है

घ. इसे आराम से और धीरे-धीरे पढ़ सकते हैं

9 निम्नलिखित में से मुद्रित माध्यम के विषय में कौन सा कथन असत्य है-

क.यह सभी के लिए उपयोगी नहीं

ख. यह रेडियो टीवी इंटरनेट की तरह तुरंत घटी घटनाओं को संचालित नहीं कर सकती

ग. अखबारों एवं पत्रिका में असीमित जगह होती है

घ. इसमें संपादक को शब्द सीमा के लिए ध्यान रखने की जरूरत है

10 कौन सा हिंदी समाचार पत्र नहीं है-

क. हिंदुस्तान

ख. जनसत्ता

ग. हिंदुस्तान टाइम्स

घ. दैनिक भास्कर

उत्तरमाला

1 क. चीन

2 ग. गुटेनबर्ग

3 ख. 1556 गोवा में

4 घ. एक रेखीय माध्यम

स्पष्टीकरण- अन्य सभी मुद्रित माध्यम की विशेषताएं हैं।

5 घ. कभी भी अपडेट हो सकते हैं।

स्पष्टीकरण- अन्य तीन मुद्रित माध्यमों की विशेषता है।

6 ग. यह सभी प्रकार के व्यक्तियों के लिए सर्वथा उचित है

स्पष्टीकरण- मुद्रित माध्यम निरक्षर व्यक्तियों के लिए उपयोगी नहीं है।

7 क. धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए

8 घ. इसे आराम से और धीरे-धीरे पढ़ सकते हैं

स्पष्टीकरण- अन्य तीन मुद्रित माध्यम की विशेषता नहीं है।

9 ग. अखबारों एवं पत्रिका में असीमित जगह होती हैं

स्पष्टीकरण- अन्य सभी कथन मुद्रित माध्यमों के लिए सत्य हैं।

10 ग. हिंदुस्तान टाइम्स

(ii) रेडियो

1 रेडियो की खोज किसने की?

क.ग्राहम बेल

ख. जी मारकोनी

ग. गुटेनबर्ग

घ. थॉमस अल्वा एडिसन

2 रेडियो समाचार लिखा जाता है-

क. उल्टा पिरामिड शैली

ख. सीधा पिरामिड शैली

ग. इसकी कोई खास शैली नहीं होती

घ. उपर्युक्त में से कोई नहीं

3 उल्टा पिरामिड शैली का भाग नहीं है-

क.मुखड़ा

ख. बॉडी

ग.समापन

घ. निष्कर्ष

4 रेडियो के लिए लेखन करते समय आवश्यक चीजों में शामिल नहीं है-

क. साफ-सुथरी एवं टाइप्ड कॉपी होनी चाहिए

ख. कॉपी को डबल स्पेस में टाइप करना चाहिए

ग. कॉपी के दोनों तरफ से उचित हाशिया छोड़ा जाना चाहिए

घ. एक पंक्ति में ज्यादा से ज्यादा 12-13 शब्द होने चाहिए

5 रेडियो के लिए समाचार लेखन हेतु सही नहीं है-

क.पृष्ठ के अंत में अधूरी पंक्ति नहीं होनी चाहिए

ख. पंक्ति के अंत में कोई विभाजित शब्द नहीं होना चाहिए

ग. संक्षिप्त अक्षरों का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना चाहिए

घ. जटिल एवं कठिन उच्चारण वाले शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए

6 रेडियो के लिए लेखन हेतु अंक व आंकड़ों का प्रयोग सही है-

क. एक से 10 तक के अंको को अंको में लिखना चाहिए

ख. 11 से 999 तक के अंकों को शब्दों में लिखना चाहिए

ग. बड़ी संख्या को अंको में ही लिखना चाहिए

घ. प्रतिशत तथा डालर को इनके संकेतिक चिन्हों में नहीं लिखना चाहिए

7 रेडियो के लिए तारीख लेखन हेतु कौन सा कथन सही है-

क. पंद्रह अगस्त 2021

ख. अगस्त 15, 2021

ग. अगस्त पंद्रह दो हजार इक्कीस

घ. 15 अगस्त दो हजार इक्कीस

8. रेडियो के विषय में कौन सा कथन सही है-

क. यह दृश्य श्रव्य माध्यम है

ख. सर्वाधिक लोकप्रिय माध्यम है

ग. यह सर्वाधिक पुराना माध्यम है

घ. यह एक रेखीय माध्यम है

9 रेडियो समाचार की भाषा के लिए कौन सा सही नहीं है-

क. जिसमें आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग हो

ख. जो समाचार वाचक आसानी से पढ़ सके

ग. जिसमें बोलचाल की भाषा के साथ-साथ सटीक मुहावरों का इस्तेमाल हो

घ. जिसमें सामासिक और तत्सम शब्दों की बहुलता हो

10 रेडियो के लिए लेखन हेतु कौन सा वाक्य सही है-

क. इस वर्ष पंद्रह अगस्त का दिन विशेष था

ख. दसवीं में मेरे अंक 78% थे

ग. मैंने यूट्यूब से 15 डॉलर कमाए

घ. विराट कोहली ने लगभग सौ रन बनाए

उत्तरमाला

1 ख. जी मारकोनी

2 क. उल्टा पिरामिड शैली

स्पष्टीकरण-उल्टा पिरामिड शैली प्रसिद्ध समाचार लेखन शैली है, जो रेडियो के लिए उपयुक्त है।

3 घ. निष्कर्ष

4 ख. कॉपी को डबल स्पेस में टाइप करना चाहिए

स्पष्टीकरण- अन्य तीनों विकल्प रेडियो के लिए लेखन करते समय आवश्यक हैं।

5 ग. संक्षिप्त अक्षरों का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना चाहिए

स्पष्टीकरण- अन्य तीनों विकल्प रेडियो के लिए लेखन करते समय आवश्यक हैं।

6 घ. प्रतिशत तथा डालर को इनके संकेतिक चिन्हों में नहीं लिखना चाहिए

7 घ. 15 अगस्त दो हजार इक्कीस

8 घ. यह एक रेखीय माध्यम है

9 घ. जिसमें सामासिक और तत्सम शब्दों की बहुलता हो

स्पष्टीकरण- अन्य सभी रेडियो के लिए उपयुक्त भाषा है।

10 ग. मैंने यूट्यूब से 15 डॉलर कमाए

(iii) टेलीविजन

1 भारत में टेलीविजन की शुरुआत कब हुई?

क. 15 अगस्त 1947

ख. 15 सितंबर 1959

ग. 15 अक्टूबर 1969

घ. 15 सितंबर 1936

2 भारत में टीवी की शुरुआत हुई थी-

क. मनोरंजन के लिए

ख. फिल्म प्रदर्शन के लिए

ग. शैक्षिक परियोजना के लिए

घ. धारावाहिक दिखाने के लिए

3 टीवी पर प्रसारित खबरों में सबसे महत्वपूर्ण है-

क. विजुअल

ख. नेट

ग. बाइक

घ. उपर्युक्त सभी

4 'ड्राई एंकर' का आशय है

क.जब एंकर के पास कोई खबर नहीं होती

ख. जब एंकर अपने संवाददाता से नहीं जुड़ पाता

ग. जब एंकर संवाददाता से प्राप्त जानकारी को सीधे-सीधे बताता है

घ. जब एंकर संवाददाता से फोन पर बात सुनाता है

5 टेलीविजन में नेट साउंड क्या है?

क.ऐसी आवाजें जो दृश्य शूट करते समय स्वयमेव चली जाती है

ख. एंकर द्वारा बोली जाने वाली आवाज

ग. संवाददाता की आवाज

घ. उपर्युक्त सभी

6 टेलीविजन की भाषा हेतु सही नहीं है-

क.वाक्य छोटे, सीधे,एवं स्पष्ट हो

ख. एक वाक्य में एक ही बात कहने का धैर्य हो

ग. विशेषणों का प्रयोग हो

घ. मुहावरों का यथासंभव प्रयोग हो

7 ब्रेकिंग न्यूज़ क्या है?

क.किसी समाचार को बीच में रोककर दूसरा समाचार बताना

ख. कोई बड़ी खबर कम से कम शब्दों में तत्काल दर्शकों तक पहुंचाना

ग. बिना दृश्यों की खबर पढ़ना

घ. फोन पर खबर को दर्शकों को सुनाना

8 बाइट क्या है-

क.रिपोर्टर की भेजी रिपोर्ट

ख. एंकर के द्वारा पढ़ी जाने वाली खबर

ग. प्राकृतिक आवाजें

घ. घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों का कथन

9 टी वी के लिए कौन से शब्दों के प्रयोग ज्यादा उपयुक्त हैं?

क.निम्नलिखित,उपरोक्त, क्रमांक

ख. तथा,अथवा, यथा

ग. क्रय-विक्रय, स्थानांतरण, पंक्ति

घ. खरीद-बिक्री, तबादला, कतार

10 टीवी के लिए कौन सी शब्दावली उपयुक्त नहीं है-

क. लाइव

ख. एंकर बाइट

ग. एंकर पैकेज

घ. ऑनलाइन

उत्तरमाला

1 ख. 15 सितंबर 1959

2 ग. शैक्षिक परियोजना के लिए

3 क. विजुअल

स्पष्टीकरण- दृश्य माध्यमों के लिए विजुअल सबसे महत्वपूर्ण होता है।

4 ग. जब एंकर संवाददाता से प्राप्त जानकारी को सीधे-सीधे बताता है

5 क. ऐसी आवाजें जो दृश्य शूट करते समय स्वयमेव चली जाती है

6 ग. विशेषणों का प्रयोग हो

स्पष्टीकरण- अन्य तीनों टेलीविजन के लिए उपयुकत है।

7 ख. कोई बड़ी खबर कम से कम शब्दों में तत्काल दर्शकों तक पहुंचाना

8 घ. घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों का कथन

9 घ. खरीद-बिक्री, तबादला, कतार

10 घ. ऑनलाइन

स्पष्टीकरण- अन्य सभी शब्दावली टी.वी. से संबंधित है।

(iv) इंटरनेट

1 विश्व स्तर पर इंटरनेट पत्रकारिता के संबंध में कौन सही है-

क.1980 से 1992 तक पहला चरण चला

ख. 1993 से 2000 तक दूसरा चरण चला

ग. 2002 से अब तक तीसरा चरण चल रहा है

घ. उपर्युक्त में से कोई नहीं

2 भारत में वेब पत्रकारिता का कौन सा चरण चल रहा है?

क. प्रथम

ख. द्वितीय

ग. तृतीय

घ. चतुर्थ

3 एचटीएमएल क्या है?

क. इंटरनेट प्रदाता कंपनी

ख. पत्रकारिता समूह

ग. कंप्यूटर कंपनी

घ. वेब भाषा

4 भारत में सही अर्थों में वेब पत्रकारिता कौन कर रहा है?

क.gmail.com

ख. rediff.com

ग. jagran.com

घ. वेबदुनिया

5 हिंदी में नेट पत्रकारिता का प्रारंभ किससे हुआ?

क.वेबदुनिया

ख. वेब जागरण

ग. वेब भास्कर

घ. तहलका डॉट कॉम

6 हिंदी वेब जगत में साहित्यिक पत्रिका नहीं है-

क.अनुभूति

ख. सराय

ग. आउटलुक

घ. हिंदी नेस्ट

7 इंटरनेट का उपयोग नहीं होता है-

क.सूचना प्राप्त करने के लिए

ख. ज्ञान एवं मनोरंजन के लिए

ग. व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक संवादों के लिए

घ. अश्लीलता एवं गंदगी को खत्म करने के लिए

8 सच्चे अर्थों में इंटरनेट पत्रकारिता की शुरुआत हुई -

क.1982 से 1992 के बीच

ख. 1983 से 2002 के बीच

ग. 2001 से 2021 के बीच

घ. 1993 से 2021 के बीच

9 इंटरनेट पत्रकारिता आजकल बहुत लोकप्रिय है क्योंकि -

क.इससे दृश्य एवं प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है

ख. इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुंचाई जाती हैं

ग. इससे खबरों की पुष्टि तत्काल होती है

घ. उपर्युक्त सभी

10 हिंदी की वेब पत्रकारिता की सबसे बड़ी समस्या क्या है?

क. संवाददाताओं की

ख. हिंदी पाठकों की

ग. हिंदी फॉण्ट की

घ. हिंदी का कंप्यूटर के उपयुक्त न होना

उत्तरमाला

1 ग. 2002 से अब तक तीसरा चरण चल रहा है

2 ख. द्वितीय

3 घ. वेब भाषा

4 ख. rediff.com

5 क. वेबदुनिया

6 ग. आउटलुक

स्पष्टीकरण- आउटलुक एक मुद्रित पत्रिका है।

7 घ. अश्लीलता एवं गंदगी को खत्म करने के लिए

8.ख. 1983 से 2002 के बीच

9.घ. उपर्युक्त सभी

स्पष्टीकरण- उपर्युक्त तीनों विशेषताएं सही हैं।

10.ग. हिंदी फॉण्ट की

पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया

1.निम्न में से कौन पत्रकारिता का मूल तत्त्व है -

क. नई सूचनाएँ प्रदान करना

ख. विशेष लेखन

ग. संपादकीय लेखन

घ. इनमें से कोई नहीं

2. पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं

क. 2

ख. 3

ग. 4

घ. इनमें से कोई नहीं

3. असत्य कथन(गलत जोड़े) का चुनाव करें -

क. अंशकालिक पत्रकार -स्ट्रिंगर

ख. फ्रीलांसर- स्वतंत्र

ग. पूर्णकालिक - स्ट्रिंगर

घ. पूर्णकालिक - नियमित वेतनभोगी

4. निम्न में से कौन भुगतान के आधार पर अलग-अलग अख़बारों के लिए लिखता है -

क. अंशकालिक पत्रकार

ख. फ्रीलांसर

ग. स्ट्रिंगर

घ. पूर्णकालिक

5. स्ट्रिंगर किसे कहते हैं ?

क. निश्चित मानदेय के आधार पर काम करने वाले अंशकालिक पत्रकार

ख. नियमित वेतनभोगी पत्रकार

ग. स्वतंत्र रूप से काम करने वाले पत्रकार

घ. इनमें से कोई नहीं

6. समाचार लेखन में कुल कितने ककारों का प्रयोग किया जाता है -

क. 6

ख. 5

ग. 4

घ. 3

7. समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय शैली का नाम -

क. पिरामिड शैली

ख. उल्टा पिरामिड शैली

ग. सीधा पिरामिड शैली

घ. उपर्युक्त सभी

8. उल्टा पिरामिड शैली में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य किस हिस्से में होता है ?

क. मध्य

ख. ऊपर

ग. निचले

घ. इनमें से कोई नहीं

9. 'इनवर्टेड पिरामिड स्टाइल' किससे संबंधित है ?

क. पिरामिड शैली

ख. उल्टा पिरामिड शैली

ग. बुनियादी शैली

घ. ख एवं ग दोनों

10. निम्न में से कौन उल्टा पिरामिड शैली का हिस्सा नहीं है -

क. बॉडी

ख. इंट्रो या मुखड़ा

ग. भूमिका

घ. समापन

11. समाचारों को संकलित करने का कार्य कौन करता है ?

क. फ्रीलांसर

ख. पत्रकार

ग. संवाददाता

घ. इनमें से कोई नहीं

12. फीचर लेखन से क्या आशय है -

क. तथ्यपरक लेखन

ख. एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, और आत्मनिष्ठ लेखन

ग. वस्तुनिष्ठ लेखन

घ. इनमें से कोई नहीं

13. निम्न में से कौन फ़ीचर का उद्देश्य नहीं है-

क. मनोरंजन करना

ख. शिक्षित करना

ग. सूचना देना

घ. तात्कालिक घटनाओं से अवगत कराना

14. निम्न में से कौन विशेष रिपोर्ट लेखन के अंतर्गत नहीं आता -

क. इन - डेप्थ रिपोर्ट

ख. इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट

ग. संश्लेषणात्मक रिपोर्ट

घ. विवरणात्मक रिपोर्ट

15. सम्पाकीय लेखन के विषय में कौन सा कथन असत्य है ?

क. सम्पादकीय किसी व्यक्ति विशेष का लेख नहीं होता

ख. यह अनाम लेख होता है

ग. इसे अखबार की अपनी आवाज़ माना जाता है

घ. यह व्यक्तिनिष्ठ लेख होता है

16. किसी समाचार-पत्र में सम्पादकीय पृष्ठ के सामने प्रकाशित होने वाला वह पन्ना जिसमें विश्लेषण, फ़ीचर स्तम्भ, साक्षात्कार और विचारपूर्ण टिप्पणियाँ प्रकाशित की जाती हैं, क्या कहलाता है ?

क. विचार मंच

ख. पेज-थ्री

ग. डेस्क

घ. ऑप-एड

उत्तरमाला

1. क. नई सूचनाएँ प्रदान करना
2. ख. 3
3. ग. पूर्णकालिक - स्ट्रिंगर

स्पष्टीकरण- अन्य सभी जोड़े सही हैं।

4. ख. फ्रीलांसर
5. क. निश्चित मानदेय के आधार पर काम करने वाले अंशकालिक पत्रकार
6. क. 6
7. ख. उल्टा पिरामिड शैली
8. ख. ऊपर
9. घ. ख एवं ग दोनों
10. ग. भूमिका
11. ग. संवाददाता
12. ख. एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, और आत्मनिष्ठ लेखन
13. घ. तात्कालिक घटनाओं से अवगत कराना
14. ग. संश्लेषणात्मक रिपोर्ट
15. घ. यह व्यक्तिनिष्ठ लेख होता है
16. घ. ऑप-एड

पाठ्य पुस्तक आरोह से बहुविकल्पीय प्रश्न (निर्धारित अंक:15)

काव्य खण्ड

विद्यार्थियों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें -

1. काव्य खण्ड से दो प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे - एक काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न (5 अंक) और दूसरा कविता पर आधारित प्रश्न (5अंक)
2. काव्यांश पर आधारित प्रश्न को हल करने के लिए पहले ध्यान से काव्यांश को एक या दो बार पढ़ें और फिर प्रश्न को पढ़कर कविता के भावार्थ के आधार पर सही विकल्प चुनिए ।
3. सही उत्तर चुनने के लिए सभी वैकल्पिक उत्तर को ध्यान से पढ़ें और जल्दबाज़ी में गलत उत्तर का चुनाव न करें ।
4. काव्यांश आधारित प्रश्न में कविता के सही भावार्थ और कविता के संदर्भ को समझना बहुत ही आवश्यक है ।
5. काव्यांश आधारित प्रश्न को हल करने किए कविता में प्रयुक्त शब्दों का सही आशय समझना, शिल्प सौंदर्य अर्थात अलंकार,प्रतीक, बिम्ब , मुहावरे आदि का पूरा ज्ञान होना आवश्यक है अतः कविता पढ़ते समय इन्हे अवश्य नोट करें ।
6. यदि दो या अधिक विकल्प की संभावना हो कविता के सही भावार्थ बोध के आधार पर विकल्प का चुनाव करना चाहिए ।
7. कविता पर आधारित प्रश्नों को हल करते समय पूरी कविता के अर्थ और संदर्भ को समझकर ही उत्तर देना चाहिए ।

1. एक गीत - हरिवंशराय बच्चन

कविता का सार -

इस कविता में कवि प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता और जीवन की क्षणभंगुरता के संदर्भ में प्राणी-वर्ग विशेषकर मनुष्य के धड़कते हृदय को सुनने की काव्यात्मक कोशिश करता है । किसी प्रिय आलंबन या विषय से भावी साक्षात्कार का आश्वासन ही हमारे प्रयासों की गति में तेजी अथवा चंचलता भर सकता है अन्यथा हम शिथिलता और फिर जड़ता को प्राप्त होने को अभिशप्त हो जाते हैं। यह गीत इस बड़े सत्य के साथ समय के गुजरते जाने के एहसास में लक्ष्य-प्राप्ति के लिए कुछ कर गुजरने का संदेश भी लिए हुए है। कवि जीवन यात्रा के लिए प्रेम की अनुभूति को बहुत महत्वपूर्ण मानता है और इसके अभाव में जीवन में रिक्तता और शिथिलता की मनः स्थिति निर्मित होने की ओर संकेत करता है ।

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न -

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर का चुनकर लिखिए -

काव्यांश 1.

हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं-
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता हैं!

प्रश्न 1. दिन जल्दी जल्दी ढलता है पंक्ति से कवि किस ओर संकेत करते हैं ?

क) समय बीत जाता है ।

ख) दिन डूब रहा है ।

ग) जीवन क्षणभंगुर है ।

घ) अभी बहुत समय है ।

प्रश्न 2. कविता में दिन और रात को किसका प्रतीक माना जा सकता है ?

क) आशा और निराशा

ख) जीवन और मृत्यु

ग) सफलता और असफलता

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न. 3 थका हुआ पंथी जल्दी-जल्दी क्यों चलता है ?

क) वह घर पहुँचकर आराम करना चाहता है ।

ख) वह रात्रि होने के पहले अपने मंजिल तक पहुंचना चाहता है ।

ग) वह अपनी यात्रा समाप्त करना चाहता है ।

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

4) पंथी क्यों थका हुआ है ?

क) वह जल्दी-जल्दी चलता है ।

ख) वह धीरे -धीरे चलता है ।

ग) वह आराम से चलता है ।

घ) वह दिनभर चलता रहा है ।

5) इस काव्यांश में किसप्रकार के बिम्ब का प्रयोग किया गया है ?

क) दृश्य बिम्ब

ख) श्रव्य बिम्ब

ग) घ्राण बिम्ब

घ) स्पर्श बिम्ब

काव्यांश 2.

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,

नीड़ों से झाँक रहे होंगे-

यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है !

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

प्रश्न 1. शाम के समय चिड़ियों के पंखों में चंचलता क्यों आ जाती है ?

क) वे रात्रि के समय उड़ नहीं पाते हैं ।

ख) उन्हें अपने घोसले में प्रतीक्षा करते बच्चों की याद आ जाती है ।

ग) शाम के समय उन्हें तेज उड़ने की आदत होती है ।

घ) वे जल्दी घर पहुंचना चाहते हैं ।

प्रश्न 2. काव्यांश में प्रयुक्त नीड़ शब्द का क्या आशय है ?

क) तिनका

ख) घर

ग) पंख

घ) घोंसला

प्रश्न 3. बच्चे नीड़ों से क्यों झांक रहे होंगे ?

क) वे बेसब्री से अपनी माता की प्रतीक्षा करते हैं ।

ख) वे अब उड़ने लायक हो गए हैं ।

ग) वे दाना चुगना चाहते हैं ।

घ) उक्त में से कोई नहीं ।

प्रश्न 4. इस काव्यांश के आधार पर बताइए कि प्राणी की कार्य करने की गति का कब बढ़ जाती है ?

क) जब वह थका होता है ।

ख) जब उसे किसी की प्रतीक्षा का ध्यान होता है ।

ग) जब उसे मंजिल तक पहुंचने का संकल्प होता है ।

घ) जब वह उड़ सकता है ।

प्रश्न 5. इस काव्यांश के कवि का नाम बताइए -

क) आलोक धन्वा

ख) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

ग) गजानन माधव मुक्तिबोध

घ) हरिवंश राय बच्चन

काव्यांश 3.

मुझसे मिलने को कौन विकल?

मैं होऊँ किसके हित चंचल?

यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता हैं!

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!

प्रश्न 1. कवि अपने आप से कौन सा प्रश्न करते हैं ?

क) वह मंजिल जल्दी क्यों जाना चाहते हैं ?

ख) वह मंजिल जल्दी क्यों नहीं जाना चाहते हैं ?

ग) उनसे मिलने के लिए कौन व्याकुल है ?

घ) उनकी यात्रा कहाँ पर समाप्त होगी ?

2. चलते समय कौन -सी बात कवि के चलने की रफ्तार को कम कर देती है ?

क) उनकी प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं है ।

ख) उनका कोई घरद्वार नहीं है ।

ग) उसे मंजिल तक पहुंचने की कोई जल्दी नहीं है ।

घ) कवि घुमक्कड़ प्रकृति के व्यक्ति हैं ।

3. कवि की प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं है - यह प्रश्न उनके चलने की गति पर क्या प्रभाव डालता है ?

क) उनके पैरों की गति बढ़ जाती है

ख) उनके पैरों की गति शिथिल हो जाती है ।

ग) उनके पैरों की गति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

घ) उक्त में से कोई नहीं

4 . इस काव्यांश के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?

क) जब जीवन में प्रेम की अनुभूति न हो तो जीवन पीड़ा से भर जाता है ।

ख) जब मन में कोई आशा न रह जाए तो जीवन निरर्थक लगता है ।

ग) जीवन में कोई प्रिय लक्ष्य न हो तो जीवन बोझिल हो जाता है ।

घ) उपरोक्त सभी ।

5) यह काव्यांश जीवन के किस चिरकालिक सत्य की ओर संकेत करता है -

क) समय प्रवाहमान है ।

ख) जीवन क्षणभंगुर है ।

ग) प्रेम के बिना जीवन रिक्त है ।

घ) उक्त सभी

कविता पर आधारित प्रश्न -

'एक गीत' कविता के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. 'एक गीत' कविता के द्वारा कवि हरिवंशराय बच्चन क्या संदेश देते हैं ?

क) जीवन यात्रा बहुत कठिन है ।

ख) निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए ।

ग) समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता ।

घ) मंजिल पर प्रिय से मिलन की आशा ही जीवन यात्रा का प्रस्थान बिंदु है ।

2. नीड़ पर प्रतीक्षा करते बच्चों की याद आते ही चिड़ियों पर क्या प्रभाव हुआ ?

क) चिड़ियों के उड़ने की गति धीमी हो गई ।

ख) चिड़ियों के उड़ने की गति बढ़ गई ।

ग) चिड़िया ने ऊंची उड़ान भरना शुरू कर दिया ।

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

3. शाम के समय बच्चों का ध्यान आते ही चिड़ियों के पंख में क्या भर जाता है ?

क) शिथिलता

ख) उत्साह

ग) जोश

घ) चंचलता

4. शाम के समय कवि के पैर शिथिल क्यों होने लगे ?

क) उनकी प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं है ।

ख) वह बहुत अधिक थक चुके हैं ।

ग) मुझे नींद आने लगी थी ।

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

5. ढलता और विह्वलता शब्द में मूल शब्द से जुड़ा है -

क) प्रत्यय

ख) उपसर्ग

ग) समास

घ) संधि

6. पथ में होने वाली रात से कौन भयभीत रहता है ?

क) कारीगर

ख) प्रेमी

ग) थका पंथी

घ) मजदूर

7. संध्या के समय बच्चे किससे झांक रहे थे ?

क) घरों से

ख) छत से

ग) खिड़की से

घ) नीड़ से

8. अपने घोंसले में प्रतीक्षा करते बच्चे किसकी प्रत्याशा में हैं?

क) कोयल

ख) मोरनी

ग) गौरैया

घ) चिड़िया

9. 'एक गीत' कविता में समय को कैसा माना गया है?

क) स्थिर

घ) भयानक

ग) परिवर्तनशील

घ) दुखद

10. कविता के आधार पर लिखिए कि निराश मनः स्थिति में व्यक्ति के कार्य की गति कैसी हो जाती है?

क) तीव्र

ख)शिथिल

ग) कभी तेज कभी धीमी

घ) अप्रभावित होती है ।

1. दिन जल्दी जल्दी ढलता है (उत्तर संकेत) -

काव्यांश पर प्रश्नों के उत्तर

उत्तर संकेत काव्यांश 1 -

प्रश्न 1. ग 2. ख 3. ख 4. घ 5. क

स्पष्टीकरण - 1 (ग) दिन जल्दी जल्दी ढलता है इस पंक्ति में जीवन की क्षणभंगुरता की ओर संकेत किया गया है ।

5 (क) आधुनिक कविताओं में बिंब विधान का प्रयोग किया जाता है जिसमें शब्दचित्र के माध्यम से भाव व्यक्त किया जाता है । यह शब्द चित्र हमारी ज्ञानेंद्रियों से अनुभूत किए जाते हैं । यहां पर दृश्य बिंब का प्रयोग किया गया है ।

उत्तर संकेत काव्यांश 2 -

प्रश्न 1. ख 2. घ 3. क 4. ख 5. घ

स्पष्टीकरण -1 (ख) प्रियजनों की याद हमारे प्रयास को तीव्र कर देते हैं।

3 (क) बच्चों की माता बाहर गई हुई हैं, उसी की प्रतीक्षा में।

उत्तर संकेत काव्यांश 3 -

प्रश्न 1. ग 2. क 3. ख 4. घ 5. घ

स्पष्टीकरण - 4 (ख) जब मन में कोई आशा न रह जाए तो जीवन निरर्थक लगता है।

कविता पर प्रश्न -

उत्तर संकेत

प्रश्न 1. घ 2. ख 3. ख 4. क 5. क 6. ग 7. घ 8. घ 9. ग 10. ख

स्पष्टीकरण - 5 (क) प्रत्यय - ता।

2. कविता के बहाने - कुँवर नारायण

कविता का सार -

'कविता के बहाने' कविता कवि के कविता-संग्रह 'इन दिनों' से ली गई है। वर्तमान में कविता के अस्तित्व के बारे में संशय हो रहा है। यह आशंका जताई जा रही है कि यांत्रिकता के दबाव से कविता का अस्तित्व नहीं रहेगा। ऐसे में यह कविता कविता की अपार संभावनाओं को टटोलने का एक अवसर देती है और कविता के कालजयी होने का उद्घोष भी करती है । यह कविता एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है। एक ओर प्रकृति है दूसरी ओर भविष्य की ओर कदम बढ़ाता बच्चा। कवि कहता है कि चिड़िया की उड़ान की सीमा है, फूल के खिलने के साथ उसकी परिणति निश्चित है, लेकिन बच्चे के सपने असीम हैं। बच्चों के खेल में किसी प्रकार की सीमा का कोई स्थान नहीं होता। कविता भी शब्दों का खेल है और शब्दों के इस खेल में जड़, चेतन, अतीत, वर्तमान और भविष्य-सभी उपकरण मात्र हैं। इसलिए जहाँ कहीं रचनात्मक ऊर्जा होगी, वहाँ सीमाओं के बंधन खुद-ब-खुद टूट जाते हैं। वह सीमा चाहे घर की हो, भाषा की हो या समय की ही क्यों न हो । सृजनात्मक ऊर्जा से सम्पन्न होने के कारण कविता भी बच्चों के खेल की भाँति धर्म,जाति,भाषा,लिंग आदि भेद बंधन से मुक्त कर सकती है ।

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए -

काव्यांश 1.

कविता एक उड़ान हैं चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने

चिड़िया क्या जाने?

प्रश्न 1. इस काव्यांश के आधार पर बताइए कि कविता और चिड़िया में किस गुण की समानता है ?

अ) दोनों पंख लगाकर उड़ सकते हैं

ब) दोनों ही उड़ान भर सकते हैं ।

स) दोनों कल्पना कर सकते हैं ।

द) दोनों कविता लिख सकते हैं ।

प्रश्न 2. चिड़िया अपने पंखों के सहारे उड़ती है और कविता किसके सहारे उड़ती है ?

अ) पंख

ब) विचार

स) कल्पना

द) शब्द

प्रश्न 3. कविता में चिड़िया का वर्णन करने के पीछे कवि का क्या उद्देध्य होता है ?

अ) कल्पना करना

ब) उड़ान भरना

स) अपने मन के भावों को व्यक्त करना

द) अलंकार का प्रयोग करना

प्रश्न 4. कविता और चिड़िया की उड़ान में क्या अंतर है ?

अ) चिड़िया दूर तक उड़ सकती है और कविता किताब के पन्नों तक

ब) चिड़िया की उड़ान की एक सीमा होती है जबकि कविता की उड़ान असीम है ।

स) चिड़िया पंखों के सहारे उड़ती है और कविता कल्पना के सहारे

द) ब और स दोनों

प्रश्न 5. कविता की उड़ान को कौन नहीं समझ सकता ?

अ) पाठक

ब) आलोचक

स) कवि

द) चिड़िया

काव्यांश 2.

कविता एक खिलना हैं फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?

प्रश्न 1. कविता और फूल दोनों में क्या समानता होती है ?

अ) दोनों खिलते हैं और मुरझा जाते हैं ।

ब) दोनों ही खिलते और महकते हैं ।

स) दोनों ही मन में खुशी उत्पन्न करते हैं ।

द) उपरोक्त सभी

प्रश्न 2. फूल की अंतिम परिणति क्या होगी ?

अ) खिलना

ब) महकना

स) मुरझाना

द) ताज़गी भरना

प्रश्न 3. बिना मुरझाए कौन महकती है ?

अ) चिड़िया

ब) बच्चे

स) फूल

द) कविता

प्रश्न 4. कविता बिना मुरझाए सदियों तक महकती रहती है - इस कथन का क्या आशय होगा ?

अ) कविता कालजयी होती है ।

ब) कविता का प्रभाव सदियों तक बना रहता है ।

स) कविता का सौंदर्य कभी समाप्त नहीं होता ।

द) उपरोक्त सभी

प्रश्न 5. कविता और फूलों के महकने में क्या अंतर है ?

अ) फूलों की महक महसूस कर सकते हैं परंतु कविता की नहीं

ब) फूलों की महक सीमित होती है और कविता की असीम

स) फूल कुछ समय के लिए महकते हैं और कविता की महक कालातीत होती है ।

द) ब और स दोनों

काव्यांश 3.

कविता एक खेल हैं बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

प्रश्न 1. काव्यांश के अनुसार कविता और बच्चे में क्या समानता होती है ?

अ) दोनों खिल सकते हैं ।

ब) दोनों हँस सकते हैं

स) दोनों रो सकते हैं ।

द) दोनों खेल सकते हैं ।

प्रश्न 2. बच्चों के खेल की क्या विशेषता होती है ?

अ) वे खेलते समय लड़ते-झगड़ते हैं ।

ब) वे खेलते समय विभिन्न घरों का भेदभाव मिटा देते हैं ।

स) वे खेलते समय शैतानी करते हैं ।

द) उपरोक्त सभी

प्रश्न 3. कविता किसके सहारे खेलती है ?

अ) खिलौने के

ब) घरेलू सामान के

स) घरों के

द) शब्दों के

प्रश्न 4. मनुष्यों के बीच की दूरी कौन मिटा सकता है ?

अ) कविता

ब) बच्चे

स) कविता और चिड़िया

द) फूल

प्रश्न 5. बिना मुरझाए महकने के माने - इस पंक्ति में कौन सा अलंकार प्रयोग किया गया है ?

अ) यमक

ब) रूपक

स) उपमा

द) अनुप्रास

कविता पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न -

'कविता के बहाने' कविता के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए -

1. 'कविता के बहाने' कविता किसके द्वारा लिखी गई है

अ) आलोक धन्वा

ब) हरिवंशराय बच्चन

स) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

द) कुँवर नारायण

2. 'कविता के बहाने' कविता के अनुसार चिड़िया, फूल और बच्चे क्या है?

अ) शब्द

ब) भावना

स) अभिव्यक्ति के उपकरण

द) उपरोक्त में से कोई नहीं

3. 'कविता के बहाने' कविता में किसके अस्तित्व पर विचार किया गया है?

अ) प्रकृति

ब) मनुष्य

स) कविता

द) उक्त सभी

4. 'कविता के बहाने' कविता में कविता की किनके साथ समानता और असमानता बताई गई है

अ) घर, फूल,खेल

ब) चिड़िया, खेल, बच्चे

स) चिड़िया, फूल,बच्चे

द) घर, चिड़िया,बच्चे

5. 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर बताइए कि प्रकृति कवि के लिए क्या है?

अ) साधन

ब) लक्ष्य

स) उद्देश्य

द) शब्द

6. कविता के अस्तित्व पर विचार करती हुई 'कविता के बहाने' कविता क्या निष्कर्ष प्रस्तुत करती है ?

अ) कविता के अस्तित्व पर आज गहरा संकट है ।

ब) अब कविता लिखना व्यर्थ है ।

स) कविता कालजयी होती है ।

द) उपरोक्त में से कोई नहीं

7. कविता पढ़ते और लिखते समय काल के बंधन टूट जाते हैं और बच्चों के खेलते समय -

अ) धर्म - जाति के बंधन टूट जाते हैं ।

ब) भेदभाव के सभी बंधन टूट जाते हैं ।

स) संकीर्णता के बंधन टूट जाते हैं ।

द) उक्त सभी विकल्प सही है ।

8. 'कविता के बहाने' कविता में कवि की भाषा शैली है -

अ) अलंकारिक भाषा शैली

ब) तत्सम भाषा शैली

स) सरल व सहज भाषा शैली

द) कलात्मक भाषा शैली

9. 'कविता के बहाने' कविता में किस प्रकार के शिल्प का प्रयोग किया गया है?

अ) परिष्कृत भाषा

ब) बिम्ब विधान

स) अलंकार प्रयोग

द) प्रतीक शैली

10. कविता किसके बहाने एक उड़ान है?

अ) फूलों के

ब)चिड़िया के

स) बच्चे के

द) पंखों के

2. कविता के बहाने (उत्तर संकेत)

काव्यांश 1 पर प्रश्न

उत्तर संकेत -

प्रश्न 1. ब 2. स 3. स 4. द 5. द

स्पष्टीकरण - 1 (ब) दोनों ही कल्पना की उड़ान भर सकते हैं।

2 (स) कहा गया है जहाँ न पहुंचे रवि वहाँ न पहुंचे कवि । कवि अपनी कल्पना के पंख लगाकर कहीं भी उड़ सकता है ।

काव्यांश 2 पर प्रश्न

उत्तर संकेत -

प्रश्न 1. ब 2. स 3 . द 4. द 5. द

स्पष्टीकरण - 4 (द) उपर्युक्त सभी विशेषताएं कविता की हैं।

काव्यांश 3 पर प्रश्न

उत्तर संकेत

प्रश्न 1. द 2. ब 3. द 4. ब 5. द

स्पष्टीकरण - 5 (द) म वर्ण की आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है।

कविता पर प्रश्न

उत्तर संकेत

प्रश्न 1. द 2. स 3. स 4. स 5. अ 6. स 7. द 8. स 9. ब 10. ब

3. कैमरे में बंद अपाहिज - रघुवीर सहाय

कविता का सार -

कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में कवि ने शारीरिक चुनौती को झेल रहे व्यक्ति की पीड़ा के साथ-साथ दूरसंचार माध्यमों के चरित्र को भी रेखांकित किया है। किसी की पीड़ा को दर्शक वर्ग तक पहुँचाने वाले व्यक्ति को उस पीड़ा के प्रति स्वयं संवेदनशील होने और दूसरों को संवेदनशील बनाने का दावेदार होना चाहिए। आज विडंबना यह है कि जब पीड़ा को परदे पर उभारने का प्रयास किया जाता है तो व्यावसायिक दबाव के कारण प्रस्तुतकर्ता का रवैया संवेदनहीन हो जाता है। यह कविता टेलीविजन स्टूडियो के भीतर की दुनिया को समाज के सामने प्रकट करती है। साथ ही उन सभी व्यक्तियों की तरफ इशारा करती है जो दुख-दर्द, यातना-वेदना आदि को बेचना चाहते हैं। यह कविता दिव्यांगजनों के प्रति मीडिया वर्ग की संवेदनहीनता और क्रूरता का यथार्थ उजागर करती है ।

काव्यांश आधरित प्रश्न -

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए -

काव्यांश 1.

हम दूरदर्शन पर बोलेंगे
हम् समर्थ शक्तिवान
हम एक दुर्बल को लाएँगे
एक बंद कमरे में
उससे पूछेंगे तो आप क्या अपाहिज हैं?
तो आप क्यों अपाहिज हैं?
आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा
देता है?

(कैमरा दिखाओ इसे बड़ा-बड़ा)
हाँ तो बताइए -
आपका दुख क्या हैं ?
जल्दी बताइए वह दुख बताइए
(बता नहीं पाएगा)

प्रश्न 1. मीडिया कैमरे के सामने किसे लाना चाहती है ?

A) किसी निर्धन को
B) किसी बच्चे को
C) शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति को
D) उक्त सभी

प्रश्न 2. कौन लोग स्वयं को समर्थ और शक्तिवान मानते हैं ?

A) राजनेता
B) मीडियाकर्मी
C) साहित्यकार
D) शिक्षितजन

प्रश्न 3. मीडिया के द्वारा पूछे गए प्रश्नों से क्या झलकता है ?

A) सहानुभूति
B) संवेदनशीलता
C) संवेदनहीनता
D) करुणा

प्रश्न 4. उक्त काव्यांश के अनुसार मीडिया की नजर में दुर्बल कौन है ?

A) दिव्यांगजन
B) निर्धन
C) महिलाएँ
D) निरक्षर

प्रश्न 5. उक्त काव्यांश के शब्द प्रयोग की विशिष्टता है ?

A) सरल शब्दावली
B) कोष्ठकों का प्रयोग
C) अलंकार प्रयोग
D) प्रतीक का प्रयोग

काव्यांश 2.

फिर हम परदे पर दिखलाएंगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा हैं आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश

दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों को एक सा रुलाने हैं ।
आप और वह दोनों
(कैमरा
बस करो
नहीं हुआ
रहने दो
परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुसकुराएँगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गई)
धन्यवाद !

प्रश्न 1. मीडिया कर्मी अपने कार्यक्रम में क्या दिखाना चाहते थे ?

A) फूली हुई आँख
B) होठों पर कसमाहट
C) अपंगता की पीड़ा
D) धीरज

प्रश्न 2. मीडियाकर्मी किसे रुलाना चाहते हैं ?

A) दर्शक को
B) दिव्यांगजन को
C) दिव्यांगजन और दर्शक दोनों को
D) किसी को रुलाना नहीं चाहते ।

प्रश्न 3. पर्दे पर वक्त की कीमत है - इस कथन से मीडिया का कौन-सा दृष्टिकोण उजागर होता है ?

A) मानवीय दृष्टिकोण
B) व्यावसायिक दृष्टिकोण
C) संवेदनशील दृष्टिकोण
D) ईर्ष्यालु दृष्टिकोण

प्रश्न 4.कार्यक्रम के अंत में प्रस्तुतकर्ता द्वारा मुस्कुराना मीडिया का कौन सा व्यवहार प्रदर्शित करता है ?

A) संवेदनशीलता
B) संवेदनहीनता
C) दयालुता
D) मानवता

प्रश्न 5. कार्यक्रम प्रस्तुत करते मीडियाकर अपने द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम को किस उद्देश्य से युक्त मानते हैं ?

A) भावनात्मक

B) मानवीय

C) करुणापूर्ण

D) सामाजिक

कविता पर आधारित प्रश्न -

'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न 1. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के कवि का नाम है -

A) कुँवर नारायण

B) आलोक धन्वा

C) रघुवीर सहाय

D) गजानन माधव मुक्तिबोध

प्रश्न 2. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता का मुख्य कथ्य है -

A) समाज दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील नहीं है ।

B) दिव्यांगजनों के प्रति करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है ।

C) मीडिया का व्यवहार स्वार्थी है ।

D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 3. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में मीडिया का दिव्यांगजन के प्रति कैसा व्यवहार बताया गया है -

A) संवेदनशील

B) संवेदनहीन व क्रूर

C) स्वार्थी

D) छलपूर्वक

प्रश्न 4. कार्यक्रम निर्माता मीडियाजनों का शूटिंग के समय कैसा रवैया होता है ?

A) सहानुभूतिपूर्ण

B) सहयोगपूर्ण

C) व्यावसायिक

D) उक्त सभी

प्रश्न 5. दिव्यांगजनों के विषय में कार्यक्रम बनाने वाले टेलीविजन कर्मियों का दिव्यांगजनों के प्रति कैसा व्यवहार होना चाहिए ?

A) सहयोगपूर्ण

B) सहानुभूतिपूर्ण

C) सांत्वना भरा

D) संवेदनशील

प्रश्न 6. मीडियाकर्मी स्वयं को क्या मानते हैं ?

A) बुद्धिजीवी

B) समर्थ और शक्तिवान

C) सुशिक्षित

D) सामाजिक

प्रश्न 7. मीडियाकर्मी की नजर में दिव्यांगजन कैसे है ?

A) शक्तिशाली

B) पूर्ण समर्थ

C) बुद्धिमान

D) दुर्बल

प्रश्न 8. एक दिव्यांगजन का साक्षात्कार लेते समय मीडियाकर्मी क्या चाहता था ?

A) उसे रुलाकर उसकी अपंगता की पीड़ा दिखाना चाहता था ।

B) उसके प्रति सहानुभूति दिखाकर एक रोचक कार्यक्रम बनाना चाहता था ।

C) अपने कार्यक्रम को एक मनोरंजक कार्यक्रम बनाना चाहता था ।

D) उक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 9. इस कविता की शैली को क्या कहा जा सकता है ?

A) आलंकारिक शैली

B) नाटककीय शैली

C) प्रतीकात्मक शैली

D) नवीन शैली

प्रश्न 10. कविता में कोष्टक में लिखी गई बातों से उजागर होता है -

A) मीडिया का छिपा हुआ क्रूर चेहरा

B) मीडिया का सहानुभूति पूर्ण व्यवहार

C) मीडिया का व्यावसायिक दृष्टिकोण

D) मीडिया की चालाकी

3. कैमरे में बंद अपाहिज (उत्तर संकेत)

काव्यांश 1 पर प्रश्न

उत्तर संकेत

प्रश्न 1. C 2. B 3. C 4. A 5. B

स्पष्टीकरण 1.(C) अपाहिज शब्द सम्मानजनक नहीं माना जाता इसलिए उसके स्थान पर शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति कहा जाता है ।

4. (A) आजकल शारीरिक चुनौती झेलने वाले लोगों के सम्मानजनक दिव्यांगजन पद का प्रयोग होता है ।

5 (B) कविता की पंक्तियों में बीच-बीच में कोष्ठकों का प्रयोग किया गया है जिसे प्रयोग की दृष्टि से एक नया प्रयोग कहा जा सकता है । यह इस काव्यांश की शिल्प की विशिष्टता है ।

काव्यांश 2 पर प्रश्न

उत्तर संकेत

प्रश्न 1. C 2. C 3. B 4. B 5. D

कविता पर प्रश्न

उत्तर संकेत

प्रश्न 1. C 2. B 3. B 4. C 5. D 6. D 7. D 8. A 9. B 10. A

स्पष्टीकरण - 9 (B) कविता में संवादों और कोष्ठकों का प्रयोग करने से इसकी शैली नाटकीय शैली बन गई है।

4. सहर्ष स्वीकारा है - गजानन माधव मुक्तिबोध

कविता का सार -

इस कविता में जीवन के सुख दुःख,आशा-निराशा,संघर्ष-अवसाद को समान रूप से स्वीकार करने की बात कही गयी है | स्नेह की प्रगाढ़ता अपनी परम सीमा पर पहुँचकर वियोग की कल्पना मात्र से त्रस्त हो उठती है प्रिय पर यह भावपूर्ण निर्भरता ,कवि के मन में विस्मृति की चाह उत्पन्न करती है | वह अपने प्रिय को पूर्णत: भूल जाना चाहता है | प्रिय को भूलना भी उसे याद करना ही है | यद्यपि प्रिय को भूलना एक दंड होगा फिर भी वह उस दंड को झेलना चाहता है | ताकि अँधेरे में ,गहरी गुफा में जी सके | उसे यकीन है कि घने अँधेरे के बीच भी उसे अपने प्रिय की आत्मीयता का ही संबल होगा | कवि ने जीवन में जो कुछ भी पाया है ,वह अपने प्रिय के कारण ही पा सका है | कविता में वह और तुम रहस्य बने रहते हैं जिसका खुलासा कवि नहीं करते किंतु इससे कविता का प्रभाव कम नहीं होता । वह दिवंगता माँ, प्रेयसी,पत्नी, ईश्वर कोई भी हो सकता है , वह अज्ञात है किंतु कवि ने उसके अस्तित्व को स्वयं के अस्तित्व से अभिन्न माना है । यह कविता मुक्तिबोध की फेंटेसी शैली का एक दुर्लभ उदाहरण है|

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों का सही उत्तर चुनिए ?

काव्यांश 1.

जिंदगी में जो कुछ हैं, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा हैं
वह तुम्हें प्यारा हैं।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृवढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत हैं अपलक हैं-
संवेदन तुम्हारा हैं !!

प्रश्न 1. कवि ने जीवन की हर स्थिति को किस रूप में स्वीकार किया है ?

A) विवशता से
B) भयभीत होकर
C) सहर्ष
D) उक्त सभी

प्रश्न 2. कवि अपने जीवन के संघर्ष - अवसाद, आशा- निराशा और सुख-दुख को सहर्ष स्वीकार करता है क्योंकि उसके पीछे प्रेरणा के रूप में हैं -

A) प्रेयसी

B) पत्नी

C) दिवंगता माँ

D) अज्ञात है

प्रश्न 3.काव्यांश के अनुसार कवि के लिए गरीबी क्या है ?

A) क्षोभजनक

B) दुखदायी

C) गर्वीली

D) उक्त सभी

प्रश्न 4. गरीबी और संघर्षमयी जीवन से कवि को जीवन में क्या उपहार मिले हैं ?

A) गंभीर अनुभव

B) विचार वैभव

C) दृढ़ता

D) उक्त सभी

प्रश्न 5. भीतर की सरिता - इस पंक्ति से कवि ने किस ओर संकेत किया है ?

A) बहती नदी

B) ह्रदय के उतार-चढ़ाव

C) मानसिक स्थिति

D) ह्रदय में निहित भावनाएँ

काव्यांश-2

जाने क्या रिश्ता हैं, जाने क्या नाता हैं
जितना भी उड़ेलता हूँ भर-भर फिर आता हैं
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा हैं !

प्रश्न 1. इस काव्यांश में कवि किसे परिभाषित करना चाहता है ?

A) प्रिय से संबंध

B) प्रकृति से संबंध

C) ईश्वर से संबंध

D) उक्त सभी से संबंध

प्रश्न 2. अपने प्रिय के प्रति कवि जितना अपने भावों की अभिव्यक्ति करते हैं, उतना ही उनका ह्रदय पुनः भर आता है, इस पंक्ति से कवि का कौन सा भाव व्यक्त हो रहा है ?

A) प्रिय के प्रति गहरी आसक्ति

B) प्रिय के प्रति क्षोभ

C) प्रिय के प्रति रोष

D) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 3. दिल की तुलना कवि किससे कर रहे हैं ?

A) सरोवर

B) झरना

C) सागर

D) झील

प्रश्न 4. इस काव्यांश के शिल्प की विशेषता है -

A) अलंकार विधान

B) बिम्ब विधान

C) तत्सम शब्दावली

D) प्रतीक विधान

प्रश्न 5. 'वह' और 'तुम' से कवि का इशारा किस ओर है ?

A) प्रिय

B) ईश्वर

C) माता

D) उक्त सभी

काव्यांश-3

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता हैं।
नहीं सहा जाता है।
ममता के बादल की मँडराती कोमलता
भीतर पिराती है,
कमज़ोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह,
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है,
बहलाती - सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है !

प्रश्न 1. कवि दण्ड क्यों पाना चाहते हैं ?

A) पश्चाताप के लिए

B) गलती माफी के लिए

C) प्रिय के मोह से मुक्ति पाने के लिए

D) आत्मा को बहलाने के लिए

प्रश्न 2. अपने प्रिय को भूलने के दण्ड की तुलना कवि किससे करता है ?

A) दक्षिणध्रुवी अंधकार अमावस्या से

B) कार्तिक अमावस्या से

C) काले बादल से

D) गहरी घटाओं से

प्रश्न 3. दक्षिणध्रुवी अंधकार अमावस्या में कवि क्या करना चाहता है ?

A) डूबना

B) तैरना

C) नहाना

D) डराना

प्रश्न 4. इस काव्यांश के अनुसार कवि से अब क्या नहीं सहा जाता ?

A) प्रिय से दूरी

B) प्रिय से निकटता

C) प्रिय का व्यवहार

D) प्रिय की ममता

प्रश्न 5. कवि के व्याकुल हृदय को कौन डराती है ?

A) प्रेयसी का अनुराग

B) माता का स्नेह

C) भविष्य की चिंता

D) प्रिय का ममतामयी रूप

काव्यांश-4

सचमुच मुझे दंड दो कि हो जाऊँ
पाताली अँधेरे की गुहाओं में विवरों में
धुएँ के बादलों में
बिलकुल मैं लापता
लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है !!
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
या मेरा जो होता-सा लगता हैं, होता-सा संभव हैं
सभी वह तुम्हारे ही कारण के कार्यों का घेरा है, कार्यों का वैभव है
अब तक तो जिंदगी में जो कुछ था, जो कुछ है
सहर्ष स्वीकारा है
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा हैं।

प्रश्न 1. कभी अंधकार का दंड भोगने के लिए कहाँ जाना चाहता है ?

A) काले बादलों में

B) धुँए के बादल में

C) पाताल लोक के अंधेरी गुफाओं में

D) B और C दोनों विकल्प सही है ।

प्रश्न 2. कवि अपने अस्तित्व का कारण किसे मानता है ?

A) अपने प्रिय को

B) अपने प्रेयसी को

C) ईश्वर को

D) उक्त में से कोई नही

प्रश्न 3. इस काव्यांश के आधार पर मुक्तिबोध की काव्य शैली का मुख्य गुण क्या है ?

A) प्रतीक का प्रयोग

B) फैंटेसी का प्रयोग

C) काल्पनिकता

D) ओजपूर्ण शब्दावली

प्रश्न 4. कवि कहाँ लापता हो जाना चाहते हैं ?

A) दक्षिण ध्रुवी अंधकार अमावस्या में

B) पाताल लोक के अंधेरी गुफा में

C) धुएँ के बादल में

D) ममता के बादल में

प्रश्न 5. इस काव्यांश की भाषा में किस प्रकार के शब्दों की प्रधानता है ?

A) तत्सम

B) तद्भव

C) देशज

D) विदेशी

कविता पर आधारित प्रश्न -

प्रश्न 1. 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता के कवि हैं -

A) कुंवर नारायण

B) गिरिजाकुमार माथुर

C) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

D) गजानन माधव मुक्तिबोध

प्रश्न 2. 'सहर्ष स्वीकारना' का क्या आशय है -

A) सहज रूप से स्वीकार करना

B) मन से स्वीकार करना

C) ख़ुशी- ख़ुशी स्वीकार करना

D) विवशता से स्वीकार करना

प्रश्न 3. अपने प्रिय की स्नेह की प्रगाढ़ता में रहने के कारण कवि की आत्मा कैसे हो गई थी ?

A) सशक्त

B) भावशून्य

C) कमजोर और अक्षम

D) पीड़ा से भरी हुई

प्रश्न 4. हमेशा साथ रहने के कारण अब कवि को प्रिय की आत्मीयता कैसे लगने लगी है ?

A) हमेशा उत्साह बढ़ाने वाली

B) सदैव प्रेरणा देने वाली

C) चिंता में डालने वाली

D) बहलाने व सहलाने वाली

प्रश्न 5. 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता के कवि से क्या नहीं सहा जाता ?

A) गहन अंधकार

B) रमणीय उजाला

C) धूप में खड़ा होना

D) शोर-शराबा

प्रश्न 6. पाताली अँधेरे की गुहाओं में विवरों में-यहाँ 'विवरों' का अर्थ है-

A. बादल

B. बिल

C. गुफा

D. शिविर

प्रश्न 7.'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि ने अपनी प्रियतमा के चेहरे की तुलना किससे की है?

A. कमल से

B. आने से

C. चाँद से

D. आकाश से

प्रश्न 8. <u>ममता के बादल</u> की मंडराती कोमलता भीतर पिराती है। रेखांकित अंश में कौन से अलंकार का प्रयोग किया गया है ?

A) अनुप्रास अलंकार

B) रूपक अलंकार

C) उपमा अलंकार

D) श्लेष अलंकार

5. सहर्ष स्वीकारा है (उत्तर संकेत)

काव्यांश पर प्रश्न -

काव्यांश 1.

प्रश्न 1. C 2. D 3. C 4. D 5. D

स्पष्टीकरण - 2(D) कवि ने अपने जीवन को सहर्ष स्वीकारा है क्योंकि उसके पीछे कोई प्रेरक व्यक्ति है किंतु कविता में उसका खुलासा नहीं किया गया है । वह प्रेयसी, दिवंगता माँ, ईश्वर कुछ भी हो सकता है इसलिए वह अज्ञात है ।

काव्यांश 2

प्रश्न 1. A 2. A 3. B 4. B 5. D

काव्यांश 3.

प्रश्न 1. C 2. A 3. C 4. B 5. C

स्पष्टीकरण - 5(C) मोह से मुक्ति पाने की इच्छा के कारण कवि को भवितव्यता डराती है क्योंकि उसे अपने भविष्य की चिंता होने लगी है ।

काव्यांश 4

प्रश्न 1. D 2. A 3. B 4. C 5. A

स्पष्टीकरण - 3 (B) मुक्तिबोध ने अपनी कविता में फैंटेसी शैली का बहुत अधिक प्रयोग किया है । फैंटेसी को स्वप्न कथा भी कहा जाता है । इसमें कल्पना के सहारे किसी गूढ़ यथार्थ की भावानुभूति व्यक्त की जाती है ।

कविता पर प्रश्न -

उत्तर संकेत

प्रश्न 1. D 2. C 3. C 4. D 5. B 6. B 7. C 8. B

आरोह भाग -दो

गद्यांश पाठों पर आधारित प्रश्न

*** गद्यांश पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के हल हेतु सामान्य निर्देश:-**

1.दिए गए गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़ना चाहिए ।

2. गद्यांश के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को उत्तरपुस्तिका के अंतिम पृष्ठ में नोट करके रखना चाहिए ।

3. गद्यांश को पढ़ते हुए पाठ का स्मरण करना न भूलें ।

4. प्रश्नों को ध्यान से पढ़ना चाहिए ।

5. प्रश्नों को पढ़ने के बाद गधांश का पुनः स्मरण कीजिए ।

6. उत्तर का चयन करते समय सभी विकल्पों को जरुर ध्यान से पढे ।

7.उत्तर विकल्प को उत्तर पुस्तिका में पूरा लिखें। केवल 1,2,3,4, या क,ख,ग,घ लिखकर न छोंड़ें ।

1.भक्तिन - महादेवी वर्मा

पाठ का सार:-

इस पाठ में भक्तिन लेखिका महादेवी वर्मा की सेविका है, जिसका मूल नाम लछमिन या लक्ष्मी था।इस पाठ में भक्तिन के सम्पूर्ण जीवन का इतिवृत्त अंकितकियागया है । भक्तिन के जीवन को मुख्य रूप से चार परिच्छेदों में बांटा गया है-

पहला परिच्छेद:-

इस परिच्छेद में भक्तिन के जन्म से लेकर ससुराल आने तक का वर्णन है।

दूसरा परिच्छेद:-

इस परिच्छेद में भक्तिन के ससुराल आने से लेकर पति की मृत्यु तक का वर्णन है।

तीसरा परिच्छेद:-

भक्तिन का दुर्भाग्य उससे भी बडा था और बड़ी लड़की विधवा हो गई।

चौथा और अंतिम परिच्छेद:-

जब भक्तिन शहर आती है तो वह अपना वास्तविक नाम छुपाती है क्योकि उसके नाम और भाग्य में बहुत ज्यादा विरोधाभास था। उसकी वेशभूषा आदि देखकर लेखिका ने उसका नया नामकरण (भक्तिन) किया जिसे पाकर भक्तिन गदगद हो जाती है। भक्तिन एक समर्पित सेविका है और सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा तक करती है।

गद्यांश-1

सेवक -धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री ना होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है -नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बंध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है पर भक्तिन बहुत समझदार है क्योंकि वह अपना समृद्धि सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी ,तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया ;पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग ना करूं ।

1. **सेवक धर्म में भक्तिन की तुलना किससे की गई है?**
   (i) महादेवी वर्मा से
   (ii) हनुमान जी से
   (iii) भक्तिन से
   (iv) लक्ष्मण से
2. **किन दो नारी पात्रों के नाम दुर्वह हैं?**
   (i) लेखिका और भक्तिन
   (ii) लक्ष्मी और भक्तिन
   (iii) अंजना और लेखिका
   (iv) इनमें से कोई नहीं
3. **भक्तिन ने लेखिका से क्या प्रार्थना की?**
   (i) उसके वास्तविक नाम का प्रयोग करने की
   (ii) उसके वास्तविक नाम का अर्थ बताने की
   (iii) उसके वास्तविक नाम का प्रयोग ना करने की
   (iv) इनमें से कोई नहीं
4. **दुर्वह का अर्थ है -**
   (i) जिसे पाना कठिन हो
   (ii) जिस पर चलना कठिन हो
   (iii) जिसे धोना कठिन हो

(iv) इनमें से कोई नहीं

5. शेष इतिवृत्त का अर्थ है

(i) उपन्यास

(ii) जीवनी

(iii) पूरी कथा

(iv) इनमें से कोई नहीं

गद्यांश-2

इस दंड - विधान के भीतर कोई ऐसी धारा नहीं थी जिसके अनुसार खोटे सिक्कों की टकसाल - जैसी पत्नी से पति को विरक्त किया जा सकता । सारी चुगली - चबाई की परिणति , उसके पत्नी - प्रेम को बढ़ाकर ही होती थी । जेठानियां बात - बात पर धमाधम पीटी - कूटी जाती; पर उसके पति ने उसे कभी उंगली भी नहीं छुआई । वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था । इसके अतिरिक्त परिश्रमी तेजस्विनी और पति के प्रति रोम-रोम से सच्ची पत्नी को वह चाहता भी बहुत रहा होगा, क्योंकि उसके प्रेम के बल पर ही पत्नी ने अलगौझा करके सबको अंगूठा दिखा दिया । काम वही करती थी, इसलिए गाय - भैंस , खेत - खलिहान , अमराई के पेड़ आदि के संबंध में उसी का ज्ञान बहुत बड़ा - चढ़ा था ।

6. भक्तिन घर - भर की उपेक्षा पाकर भी सौभाग्यशालिनी थी। क्यों?

(क) उसकी जिठानियां अपने पतियों द्वारा धमाधम पीटी जाती थी ।

(ख) उसका पति उसे कभी डांटता भी नहीं था

(ग) उसको घर का काम करने में आनंद आता था

(घ) वह अलगौझा कर खुश थी ।

7. किसके बल पर लछमिन अपने जीवन के संघर्ष को जीत गई?

(क) जिठानियों के बल पर

(ख) पति के प्रेम के बल पर

(ग) अपनी मेहनत के बल पर

(घ) अपने ज्ञान के बल पर

8. अंगूठा दिखाना मुहावरे का अर्थ है?

(क) वादा करना

(ख) विजयी घोषित करना

(ग) हिम्मत दिखाना

(घ) इनकार कर देना

9. खोटे सिक्कों की टकसाल किसे कहा गया है?

(क) भक्तिन को

(ख) जेठानियों को

(ग) सास को

(घ) इनमें से कोई नहीं

10.प्रस्तुत गद्यांश में भक्तिन के स्वभाव की विशेषता बतायी गयी है -

(क) स्वाभिमानी

(ख) पतिव्रता

(ग) मेहनती

(घ) उपर्युक्त सभी

गद्यांश-3

मेरे इधर-उधर पड़े पैसे-रुपये, भंडार-घर की किसी मटकी में कैसे अंतरहित हो जाते हैं, यह रहस्य भी भक्तिन जानती है। पर, उस संबंध में किसी के संकेत करते ही वह उसे शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दे डालती है, जिसको स्वीकार कर लेना किसी तर्क-शिरोमणि के लिए संभव नहीं यह उसका अपना घर ठहरा, पैसा-रुपया जो इधर-उधर पड़ा देखा, सँभालकर रख लिया। यह क्या चोरी है! उसके जीवन का परम कर्तव्य मुझे प्रसन्न रखना है-जिस बात से मुझे क्रोध आ सकता है, उसे बदलकर इधर-उधर करके बताना, क्या झूठ है! इतनी चोरी और इतना झूठ तो धर्मराज महाराज में भी होगा।पर वह स्वयं कोई सहायता नहीं दे सकती, इसे मानना अपनी हीनता स्वीकार करना है-इसी से वह द्वार पर बैठकर बार-बार कुछ काम बताने का आग्रह करती है। कभी उत्तर-पुस्तकों को बाँधकर, कभी अधूरे चित्र को कोने में रखकर, कभी रंग की प्याली धोकर और कभी चटाई को आँचल से झाड़कर वह जैसी सहायता पहुँचाती है, उससे भक्तिन का अन्य व्यक्तियों से अधिक बुद्धिमान होना प्रमाणित हो जाता है। वह जानती है कि जब दूसरे मेरा हाथ बँटाने की कल्पना तक नहीं कर सकते, तब वह सहायता की इच्छा को क्रियात्मक रूप देती है।

11.किस रहस्य के बारे में पूछे जाने पर वह शास्त्रार्थ की चुनौती दे डालती हैं?

(i)इधर -उधर पड़े रुपयों को रखने के सम्बंध में

(ii)धर्मराज महाराज के झूठ बोलने के सम्बंध में

(iii)लेखिका के सम्मान के सम्बंध में

(iv)लेखिका का हाथ बँटाने के सम्बंध में

12. भक्तिन का परम कर्तव्य क्या था ?

(i)इधर उधर पड़े रुपयों की चोरी करना

(ii)हर प्रकार से लेखिका को खुश करना

(iii)लेखिका का हाथ बँटाना

(iv) लोगों को नीचा दिखाना

13. भक्तिन किस बात में अपनी हीनता मानती हैं?

(i)वह पढ़ना लिखना नहीं जानती

(ii) वह लेखिका नहीं बन सकती

(iii) वह महादेवी की चित्रकला और कविता लिखने के दौरान किसी प्रकार की सहायता नहीं कर सकती।

(iv) वह शास्त्रार्थ नहीं कर सकती

14. भक्तिन अन्य व्यक्तियों से किस प्रकार अधिक बुदिधमान प्रमाणित होती है?

(i)वह वृद्ध हो चुकी थी इसलिए सम्मान देते थे ।

(ii)भक्तिन से लेखिका हमेशा खुश रहती थी

(iii)भक्तिन हमेशा लेखिका के साथ रहती थी

(iv) भक्तिन सदैव लेखिका के सामने बैठकर कुछ-न-कुछ क्रियात्मक सहयोग देती रहती थी।

15. भक्तिन लेखिका से क्या आग्रह करती थी ?

(i) कुछ काम बताने का ।
(ii) चित्रकारी करने का ।
(iii) शास्त्रार्थ करने का ।
(iv) दूसरों के हाथ बँटाने का ।

गद्यांश-4

तीतरबाज युवक कहता था, वह निमंत्रण पाकर भीतर गया और युवती उसके मुख पर अपनी पाँचों उँगलियों के उभार में इस निमंत्रण के अक्षर पढ़ने का अनुरोध करती थी। अंत में दूध-का-दूध पानी-का-पानी करने के लिए पंचायत बैठी और सबने सिर हिला-हिलाकर इस समस्या का मूल कारण कलियुग को स्वीकार किया। अपीलहीन फैसला हुआ कि चाहे उन दोनों में एक सच्चा हो चाहे दोनों झूठे; जब वे एक कोठरी से निकले, तब उनका पति-पत्नी के रूप में रहना ही कलियुग के दोष का परिमार्जन कर सकता है। अपमानित बालिका ने होंठ काटकर लहू निकाल लिया और माँ ने आग्नेय नेत्रों से गले पड़े दामाद को देखा। संबंध कुछ सुखकर नहीं हुआ, क्योंकि दामाद अब निश्चित होकर तीतर लड़ाता था और बेटी विवश क्रोध से जलती रहती थी। इतने यत्न से सँभाले हुए गाय-ढोर, खेती-बारी जब पारिवारिक द्वेष में ऐसे झुलस गए कि लगान अदा करना भी भारी हो गया, सुख से रहने की कौन कहे। अंत में एक बार लगान न पहुँचने पर जमींदार ने भक्तिन को बुलाकर दिन भर कड़ी धूप में खड़ा रखा। यह अपमान तो उसकी कर्मठता में सबसे बड़ा कलंक बन गया, अत: दूसरे ही दिन भक्तिन कमाई के विचार से शहर आ पहुँची।

16. युवती के पाँचो उँगलियों के निशान किस बात को प्रदर्शित कर रहा था?

क)दोषी तीतरबाज युवक था — ख) दोषी युवती थी
ग) किसी का दोष नहीं था — घ) दोनों दोषी थे

17. पंचायत ने समस्या का मूल कारण किसे माना?

क)कलियुग को — ख) बेरोजगारी को
ग) अज्ञानता को — घ) भक्तिन को

18. पंचायत ने क्या फैसला किया?

क) दोनों अलग-अलग रहें — ख़) दोनों गाँव से बेदखल रहें
ग) दोनों पति-पत्नी के रुप में रहें — घ) दोनों भक्तिन की सेवा करें

19. ' बेमेल विवाह' का क्या परिणाम हुआ?

क) सर्वनाश का कारण बना — ख) जीवन खुशहाल हो गया
ग) दोनों का जीवन संवर गया — घ) भक्तिन खुश हुई

20. भक्तिन को शहर क्यों आना पड़ा?

क) लेखिका के साथ रहने के लिए — ख) लेखिका की सहायता करने के लिए
ग) शहर घूमने के लिए — घ) अपमान व कमाई के विचार से

गद्यांश-5

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

21.उपर्युक्त गदयांश में किनके स्वामी - सेवक संबंधों की चर्चा की गई है ?

क) लेखिका और भक्तिन की　　ख) नौकर और स्वामी की

ग) गुलाब और आम　　घ) सुख और दुख

22. स्वामी-सेवक सम्बंधों में भक्तिन के लिए क्या विशेषता आ गई है ?

क) भक्तिन लेखिका को अपने परिवार का सदस्य मानने लगी

ख) भक्तिन ने लेखिका को अपनी संरक्षिका मान लिया

ग)भक्तिन लेखिका के बिना रह लेना चाहती थी

घ) दोनों के बीच कोई सम्बंध नहीं रह गया था

23. लेखिका के लिए आँगन में फूलने वाला गुलाब और आम सेवक क्यों नहीं है ?

क) इनका अपना अस्तित्व नहीं होता　　ख) इनका कोई मूल्य नहीं होता

ग) इनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है　　घ) ये बहुमूल्य होते हैं

24. आम और गुलाब की समानता किससे की गई है ?

क) सुख-दुख　　ख) स्वामी- सेवक

ग) लेखिका -भक्तिन　　घ) अँधेरे- उजाले

25. लेखिका का भक्तिन के साथ किस प्रकार का संबंध है ?

क)लेखिका ने भक्तिन को परिवार का सदस्य मान लिया है

ख) लेखिका उससे छूटकारा पाना चाहती है

ग) लेखिका भक्तिन को संरक्षक मानती है

घ) लेखिका भक्तिन के बिना नहीं रह सकती

'भक्तिन' पाठ पर आधारित निम्न लिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए-

26. भक्तिन की कहानी अधूरी है: पर उसे खोकर मैं इसे पूरा नहीं करना चाहती । लेखिका के इस कथन के पीछे क्या कारण हैं?

क)भक्तिन के सेविका धर्म को प्रमाणित करना　　ख) भक्तिन के त्याग को चरितार्थ करना

ग)भक्तिन को अजर- अमर सिद्ध करना　　घ) भक्तिन के अंत को स्वीकार न करना

27. भक्तिन के सन्दर्भ में हनुमान जी का उल्लेख हुआ है-

(क) समझदारी के लिए (ख) स्पर्द्धा के लिए (ग) सेवा भाव के लिए(घ) शक्ति के लिए

28. भक्तिन' संस्मरण के माध्यम से लेखिका ने सामाजिक उत्थान के लिए किस उद्देश्य को पूरा करती हैं?

क)स्त्री अस्मिता के संघर्षपूर्ण आवाज ख) समाज में बेमेल विवाह की परम्परा

ग) लड़का-लड़की में भेदभाव घ) भक्तिन के सेवा धर्म की प्रशंसा

29. वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं। -यहाँ किस नाम को समृद्धिसूचक कहा है?

(क) भक्तिन (ख) लक्ष्मी (ग) समृद्धि (घ) इनमें से कोई नहीं

30. पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है,..- इस पंक्ति में मेरे से आशय है-

(क) भक्तिन (ख) लक्ष्मी (ग) लेखिका (घ) अंजना

2.बाज़ार दर्शन- जैनेंद्र कुमार

सारांश:- बाजार दर्शन पाठ में बाजारवाद और उपभोक्तावाद के जादू के बारे में बताया गया है। बाजार में एक जादू है और वह आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है और यह जादू तभी असर करता है जब जेब भरी हो और मन खाली हो। बाजार के जादू को रोकने का उपाय यही है कि बाजार जाते समय मन खाली न हो,मन में लक्ष्य भरा हो। बाजार की असली सार्थकता है- आवश्यकता के समय काम आना। जो लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार बाजार का उपभोग करते हैं वे ही बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। जो लोग अपने पैसों के घमंड में पर्चेजिंग पावर को दिखाने के लिए खरीददारी करते हैं वे लोग बाजार का बाजारूपन ही बढ़ाते हैं। इस तरह के बाजार का पोषण करने वाला शास्त्र अनीतिशास्त्र है। इस पाठ में भगत जी के उदाहरण के माध्यम से अपने मन को नियंत्रण में करने और वास्तविक जीवन दर्शन पर बल दिया गया है।

गद्यांश-1

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीज़ों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ. वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है।

1. बाजार का जादू किस प्रकार काम करता है?

क. जेब की राह ख. आँख की राह

ग. मन की राह घ. सामान की राह

2. बाज़ार से न चाहने पर भी सामान खरीद लेते हैं जब-

क. जेब खाली हो ख. मन भरा हो

ग. मन खाली हो घ. कुछ नहीं होने पर

3. यहाँ किसके जादू की बात कही गयी है?

क. रूप के जादू की ख. मन के जादू की

ग. जेब के जादू की घ. बाज़ार के जादू की

4. क्या आप इस बात से सहमत है कि कमजोर इच्छा-शक्ति वाले लोग बाजार के जादू से मुक्त नहीं हो सकते?

क. सहमत हैं　　ख. असहमत हैं

ग. दोनो हैं　　घ. कह नहीं सकते

5. यह पंक्तियाँ किस पाठ से ली गयी हैं -

क. भक्तिन　　ख. काले मेघा पानी दे

ग. पहलवान की दोलक　　घ. बाज़ार दर्शन

गद्यांश-2

पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है। वह यह कि बाजार जाओ तो खाली मन न हो। मन खाली हो, तब बाजार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाजार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाजार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाजार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना।

6.बाजार जाते समय बाजार के जादू की पकड़ से बचने का सीधा-सा उपाय क्या हैं?

क) मन खाली न हो　　ख) मन रिक्त हो

ग) मन भारी हो　　घ) मन बोझील हो

7.मनुष्य को मन खाली होने पर बाजार क्यों नहीं जाना चाहिए ?

क) बाजार की जकड़ से बचने के लिए　　ख) बाजार की चकाचौंध से बचने के लिए

ग) बाजार खाली होता है　　घ) बाज़ार खाली लगता है

8. बाजार कब फैला का फैला रह जाएगा ?

क) मन में लक्ष्य होने से　　ख) मन का लक्ष्य विहीन होने से

ग) मन का खाली होने से　　घ) मन में आकर्षण होने से

9. बाजार की सार्थकता किसमें है ?

क) लोगों की खरीददारी करने में　　ख) लोगों के पैसे की बचत करने में

ग) लोगों की आवश्यकता पूरी करने में　　घ) लोगों को लूटने में

10.बाजार से कब आनंद मिलता हैं?

क) जब ग्राहक के मन में कोई लक्ष्य नहीं होता　　ख) जब ग्राहक के पास मनीपावर हो

ग) जब ग्राहक के मन में लक्ष्य निश्चित होता है　　घ) जब ग्राहक पूरा खर्च करता है

गद्यांश-3

लोभ का यह जीतना नहीं है कि जहाँ लोभ होता है, यानी मन में, वहाँ नकार हो! यह तो लोभ की ही जीत है और आदमी की हार। आँख अपनी फोड़ डाली, तब लोभनीय के दर्शन से बचे तो क्या हुआ? ऐसे क्या लोभ मिट जाएगा? और कौन कहता है कि आँख फूटने पर रूप दीखना बंद हो जाएगा? क्या आँख बंद करके ही हम सपने नहीं लेते हैं? और वे सपने क्या चैन-भंग नहीं करते हैं? इससे मन को बंद कर डालने की कोशिश तो अच्छी नहीं। वह अकारथ है यह तो हठ वाला योग है। शायद हठ-ही-हठ है, योग नहीं है। इससे मन कृश भले ही हो जाए और पीला और अशक्त; जैसे विद्वान का ज्ञान। वह मुक्त ऐसे नहीं होता। इससे

वह व्यापक की जगह संकीर्ण और विराट की जगह क्षुद्र होता है। इसलिए उसका रोम-रोम मूँदकर बंद तो मन को करना नहीं चाहिए।

11.लेखक के अनुसार लोभ की जीत क्या हैं ?

क)हठपूर्वक लोभ को दबाना
ख) मन में लालच पैदा करना
ग) लोभ का तिरस्कार करना
घ) लोभ से बचने का प्रयास करना

12.आँख फोड़ डालने का दृष्टांत क्यों दिया गया है ?

क) रुप से बचने के लिए
ख) आत्म संयम के लिए
ग) लोभ पर नियंत्रण पाने के लिए
घ) आँख के दर्द से बचने के लिए

13.हठयोग के बारे में लेखक क्या कहता है ?

क) यह लोभ से बचने का उपयुक्त तरीका है
ख) यह तरीका हठ का नहीं है
ग) यह तरीका योग का है
घ) यह लोभ से बचने का उपयुक्त तरीका नहीं है

14. हठयोग का क्या प्रभाव होता है ?

क) मन कमजोर,पीला और अशक्त हो जाता है
ख) मन संकीर्ण हो जाता है
ग) मन विराट हो जाता है
घ) मन पर कोई प्रभाव नहीं होता

15. लोभ से बचने का क्या उपाय सुझाया गया है ?

क) मन को बंद करना चाहिए
ख) मन को खुला छोंड़ देना चाहिए
ग) मन पर किसी का वश नहीं रहना चाहिए
घ) मन को मनमानी करने देना चाहिए

गद्यांश-4

तो वह क्या बल है जो इस तीखे व्यंग्य के आगे ही अजेय नहीं रहता, बल्कि मानो उस व्यंग्य की क्रूरता को ही पिघला देता है? उस बल को नाम जो दो; पर वह निश्चय उस तल की वस्तु नहीं है जहाँ पर संसारी वैभव फलता-फूलता है। वह कुछ अपर जाति का तत्व है। लोग स्पिरिचुअल कहते हैं; आत्मिक, धार्मिक, नैतिक कहते हैं। मुझे योग्यता नहीं कि मैं उन शब्दों में अंतर देखूँ और प्रतिपादन करूं। मुझे शब्द से सरोकार नहीं। मैं विद्वान नहीं कि शब्दों पर अटकूँ । लेकिन इतना तो है कि जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है। बल्कि यदि उसी बल को सच्चा बल मानकर बात की जाए तो कहना होगा कि संचय की तृष्णा और वैभव की चाह में व्यक्ति की निर्बलता ही प्रमाणित होती है। निर्बल ही धन की ओर झुकता है। वह अबलता है। वह मनुष्य पर धन की और चेतन पर जड़ की विजय है।

16. 'उस बल ' से क्या तात्पर्य हैं?

क) बाजार में वस्तु खरीदने के निश्चय का निर्णय।
ख) संसारी फलता-फूलता वैभव
ग) तृष्णा और वैभव की चाह
घ) चेतन पर जड़ की विजय

17. उसे किस जाति का तत्व बताया है ?

क) अपर जाति
ख) निम्न जाति
ग) मध्यम जाति
घ) सभी जाति

18. लेखक किन शब्दों के सूक्ष्म अतर में नहीं पड़ना चाहता ?

क) मौलिक , प्राकृतिक ,व्यावहारिक
ख) भौतिक , सांसारिक, पारिवारिक
ग) आत्मिक, धार्मिक, नैतिक
घ) आध्यात्मिक, सामाजिक, भौगोलिक

19.व्यक्ति की निर्बलता किससे प्रमाणित होती है ?

क) धन का त्याग
ख) वैभव की चाह
ग) मन की इच्छा
घ) जीवन से विरक्ति

20.मनुष्य पर धन की विजय चेतन पर जड़ की विजय कैसे है ?

क) वह धन की ओर झुकता है
ख) वह धन से सरोकार नहीं रखता
ग) वह धन का परित्याग करता है
घ) वह संयमी होता

गद्यांश-5

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति-ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी।इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे गाहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं। मानो दोनों एक-दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है और यह बाजार का, बल्कि इतिहास का, सत्य माना जाता है। ऐसे बाजार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता, बल्कि शोषण होने लगता है; तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है। ऐसे बाजार मानवता के लिए विडंबना हैं और जो ऐसे बाजार का पोषण करता है, जो उसका शास्त्र बना हुआ है, वह अर्थशास्त्र सरासर औंधा है वह मायावी शास्त्र है वह अर्थशास्त्र अनीति शास्त्र है।

21. बाज़ार को सार्थकता कौन देते है ?

क) जो बाजार से जरूरत की चीजें खरीदते हैं
ख) जो बाज़ार से सभी चीजें खरीदते हैं
ग) जो बाजारमें बिक्री बढ़ाते हैं
घ) जो पर्चेजिंग पावर का गर्व करते हैं

22. बाज़ार को पर्चेजिंग पावर वाले लोगों की क्या देन है?

क) बाजार की रौनक बढ़ाते हैं
ख) बाजार को विनाशक शक्ति प्रदान करते हैं
ग) बाजार को आबाद करते हैं
घ) बाजार में सद्भाव पैदा करते हैं

23. बाजारवाद परस्पर सद्भाव में ह्रास कैसे लाता हैं?

क) जब बाजार में रौनकता होती है
ख) जब व्यापार प्रेम से होता है
ग) जब व्यापार में कपट आ जाता है
घ) जब व्यापार बढ़ रहा होता है

24. किस प्रकार के लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं?

क) जो बाजार से जरुरत की वस्तु खरीदते हैं
ख) जो बाजार से बिना खरीदे लौट जाते हैं
ग) जो बाजार से व्यर्थ की खरीदी नहीं करते
घ) जो बाजार से व्यर्थ की चीजें खरीदते हैं

25. 'अर्थशास्त्र' को कहा गया है-

क) अनीति-शास्त्र
ख) मायावी शास्त्र
ग) क और ख दोनों
घ) शोषण शास्त्र

पाठ पर आधारित प्रश्न-

26. बाजार दर्शन पाठ में लेखक ने भगत जी का उदाहरण दिया है । भगत जी जैसे व्यक्ति के जीवन से हम क्या प्रेरणा प्राप्त करते हैं ?

क) बाजार से खाली हाथ वापस लौट सकते हैं ख) बाजार के बाजारुपन का प्रभाव शून्य रहेगा

ग) आत्म संयम की प्रेरणा मिलती है घ) बाजार का नकारामक प्रभाव बेअसर रहेगा

27. वर्तमान फैशन के दौर में माल संस्कृति लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है । आप पर्चेजिंग पावर के साथ मॉल का कैसा उपयोग करना चाहेंगे ?

क)फैशन की अधिकांश वस्तुएँ खरीदेंगे ख) वर्तमान समय के अनुरुप खरीददारी करेंगे

ग) जरुरत के अनुसार खरीदी करेंगे घ) मॉल बार-बार नहीं जा सकते इसलिए पूरा उपयोग करेंगे

3. काले मेघा पानी दे - धर्मवीर भारती

सारांश - 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में लोक-प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व का चित्रण किया गया है । विज्ञान का अपना तर्क है और विश्वास का अपना सामर्थ्य । इनकी सार्थकता के विषय में शिक्षित वर्ग असमंजस में हैं । लेखक ने इसी दुविधा को लेकर पानी के संदर्भ में प्रसंग रचा है । आषाढ़ का पहला पखवाड़ा बीत चुका है । ऐसे में खेती व अन्य कार्यों के लिए पानी न हो तो जीवन चुनौतियों का घर बन जाता है । यदि विज्ञान इन चुनौतियों का निराकरण नहीं कर पाता तो उत्सवधर्मी भारतीय समाज किसी न किसी जुगाड़ में लग जाता है , प्रपंच रचता है और हर कीमत पर जीवित रहने के लिए अशिक्षा तथा बेबसी के भीतर से उपाय और काट की खोज करता है ।

गद्यांश-1

उन लोगों के दो नाम थे-इंदर सेना या मेढक-मंडली। बिलकुल एक-दूसरे के विपरीत। जो लोग उनके नग्नस्वरूप शरीर, उनकी उछल-कूद, उनके शोर-शराबे और उनके कारण गली में होने वाले कीचड़ काँदो से चिढ़ते थे, वे उन्हें कहते थे मेढ़क-मंडली। उनकी अगवानी गालियों से होती थी। वे होते थे दस-बारह बरस से सोलह-अठारह बरस के लड़के, साँवला नंगा बदन सिर्फ एक जाँधिया या कभी-कभी सिर्फ़ लंगोटी। एक जगह इकट्ठे होते थे। पहला जयकारा लगता था, "बोल गंगा मैया की जय।" जयकारा सुनते ही लोग सावधान हो जाते थे। स्त्रियाँ और लड़कियाँ छज्जे, बारजे से झाँकने लगती थीं और यह विचित्र नंग-धडंग टोली उछलती-कूदती समवेत पुकार लगाती थी :

1. इंदर सेना लोगों से पानी क्यों माँगते थे?

क)सूखा पड़ने का अंदेशा होने के कारण ख) कीचड- में उछल-कूद करने के लिए

ग) मस्ती करनेके लिए घ) उपर्युक्त सभी

2. मेढ़क-मंडली से क्या तात्पर्य है?

क)जो मेंढ़क की झुण्ड में रहते हैं ख) जो बच्चे मेंढ़क की तरह उछल-कूद, शोर - शराबा करते थे

ग) मेढ़क की तरह व्यवहार करना घ) इनमें से कोई नहीं

3. मेढ़क-मंडली में कैसे लड़के होते थे?

क)सभी तरह के बच्चे ख) छोटे-छोटे बच्चे

ग) दस-बारह वर्ष से सोलह-अठारह वर्ष के घ) युवा वर्ग के

4. इंदर सेना के जयकारे की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

क)लोग शांत हो जाते ख) लोग इंद्र की जय-जयकार करते

ग)गंगा मैया की जयकारा करते घ) लोग सावधान हो जाते

5. मेंढ़क - मण्डली का वास्तविक नाम क्या था ?

क) गंगा -सेना ख) इंदर-सेना

ग) वानर-सेना घ) बारिश - सेना

गद्यांश-2

सचमुच ऐसे दिन होते जब गली-मुहल्ला, गाँव-शहर हर जगह लोग गरमी में भुन-भुन कर त्राहिमाम कर रहे होते, जेठ के दसतपा बीतकर आषाढ़ का पहला पखवारा भी बीत चुका होता, पर क्षितिज पर कहीं बादल की रेख भी नहीं दीखती होती, कुएँ सूखने लगते, नलों में एक तो बहुत कम पानी आता और आता भी तो आधी रात को भी मानो खौलता हुआ पानी हो। शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब होती थी। जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूख कर पत्थर हो जाती, फिर उसमें पपड़ी पड़कर जमीन फटने लगती, लू ऐसी कि चलते-चलते आदमी आधे रास्ते में लू खाकर गिर पड़े। ढोर-ढंगर प्यास के मारे मरने लगते लेकिन बारिश का कहीं नाम निशान नहीं, ऐसे में पूजा-पाठ कथा-विधान सब करके लोग जब हार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती यह इंदर सेना। वर्षा के बादलों के स्वामी, हैं इंद्र और इंद्र की सेना टोली बाँधकर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए।

6. लोगों की परेशानी का क्या कारण था?

क)खूब वर्षा हो रही थी ख)आसमान में चारों तरफ घटा छाई थी

ग)बादलों का नामोंनिशान दिखाई नहीं दे रहा था । घ) कुओं तालाबों में पानी लबालब भरा हुआ था ।

7. गाँव में लोगों की क्या दशा होती थी ?

क)गाँव में बारिश न होने से सभी जीव व्याकुल थे ख)किसान खेती करने में मग्न थे

ग)लगातार बारिश होने से लोग भयभीत थे घ)इनमें से कोई कारण नहीं

8. गाँव वाले बारिश के लिए क्या उपाय करते थे?

क)नहरों का जाल फैला देते थे ख) बाँध बनाकर पानी इकट्ठा करते थे

ग) सिचाई करने के लिए ट्युबवेल लगवा लेते थे घ)बारिश के देवता इंद्र से प्रार्थना करते थे

9. इंदर सेना क्या करती है?

क)कीचड़ में लथपथ होकर मेघों से पानी मांगते थे ख)पूजा -पाठ करके इंद्र को प्रसन्न करते थे

ग) गंगा मैया से पानी लाने की प्रार्थना करते थे घ) गली-गली घूमकर जयकारा करते थे

10. वर्षा के बादलों के स्वामी कहलाते हैं-

क)गंगा मैया ख) वायुदेव

ग)सूर्यदेव घ) इंद्रदेव

गद्यांश-3

फिर जीजी बोलीं, "देख तू तो अभी से पढ़-लिख गया है। मैंने तो गाँव के मदरसे का भी मुँह नहीं देखा। पर एक बात देखी है कि अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर जमीन में क्यारियाँ बनाकर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे के समय हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानी वाले बादलों की फसल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे। भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है। 'यथा राजा तथा प्रजा' सिर्फ यही सच नहीं है। सच यह भी है कि 'यथा प्रजा तथा राजा'। यह तो गाँधी जी महाराज कहते हैं।" जीजी का एक लड़का राष्ट्रीय आंदोलन में पुलिस की लाठी खा चुका था, तब से जीजी गाँधी महाराज की बात अकसर करने लगी थीं।

11. जीजी अपनी बात के समर्थन में किसका तर्क देती है ?

क)खेत की बुवाई का ख)फसलों की बरबादी का

ग) पानी की बरबादी का घ)खूब अनाज पैदा होने का

12. जीजी ने पानी की बुवाई किसे कहा गया है ?

क) इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को ख)पानी को कठिनाई से इकट्ठा करने को

ग) इंदर सेना के पानी मांगने को घ)बादल से पानी बरसने को

13. जीजी द्वारा गांधी जी का नाम लेने के पीछे क्या कारण था ?

क)राष्ट्रीय आंदोलन गांधी जी ने अकेले आंदोलन चलाया

ख) जीजी का एक लड़का राष्ट्रीय आंदोलन में पुलिस की लाठी खा चुका था ।

ग) राष्ट्रीय आंदोलन के कारण ही देश आज़ाद हुआ था

घ) गांधी जी से जीजी बहुत प्रभावित थी ।

14. 'यथा प्रजा तथा राजा' में क्या अर्थ है ?

क) जिस देश की जनता जैसी होती है, वहाँ का राजा वैसा ही होता है।

ख) -राजा के आचरण के अनुसार ही प्रजा का आचरण होना।

ग) प्रजा को प्रजा की तरह ही व्यवहार करना चाहिए

घ) राजा को कभी प्रजा की तरह कार्य नहीं करना चाहिए ।

15. जीजी के सम्बंध में क्या धारणा बनती है ?

क)जीजी अनपढ़ थी ख) जीजी ऋषि मुनियों का सम्मान करती थी

ग) जीजी इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को सही मानती थी घ) उपर्युक्त सभी

गद्यांश-4

लेकिन इस बार मैंने साफ़ इन्कार कर दिया। नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भर कर पानी इस गंदी मेढक-मंडली पर। जब जीजी बाल्टी भरकर पानी ले गईं-उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुँह फुलाए खड़ा रहा। शाम को उन्होंने लड्डू-मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया। मुँह फेरकर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं। पहले वे भी तमतमाई, लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रहा गया। पास आकर मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोलीं, 'देख भइया, रूठ मत। मेरी बात सुन। यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे?" मैं कुछ नहीं बोला। फिर जीजी बोलीं, "तू इसे पानी की बरबादी समझता है पर यह बरबादी नहीं है।

यह पानी का अर्ध्य चढ़ाते हैं, जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे? इसीलिए ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है।"

16.लेखक ने किस कार्य को करने से इनकार किया ?

क)बाल्टी में पानी भरने से

ख) बाल्टी भरकर पानी लाने से

ग) बाल्टी भर-भरकर मेंढ़क मंडली पर पानी फेंकने से

घ) पानी की बचत करना

17.पानी डालते समय जीजी की क्या हालत थी?

क) हाथ काँप रहे थे,पाँव डगमगा रहे थे ?

ख) पानी बाहर गिर रहे थे

ग) पानी बरबाद हो रहा था

घ) लेखक मुँह फुलाए खड़े थे

18.जीजी ने नाराज लेखक से क्या कहा?

क) ये अंधविश्वास है

ख) यह सब अंधविश्वास नहीं है

ग) ये पानी की बरबादी है

घ) यह सब रुढ़िवाद है

19.जीजी ने दान के पक्ष में क्या तर्क दिए?

क) पहले हमें दान देना पड़्ता है तभी हमें बढ़कर मिलता है

ख) हम दान देकर पहले खेतों में फसल को बरबाद करते हैं

ग) हम अंधविश्वास के कारण दान करते हैं

घ) दान करना हमारी परंपरा में हैं

20. जीजी का लेखक के प्रति कैसा व्यवहार था ?

क) जीजी का सम्मान करना चाहते थे

ख) जीजी अपना सबकुछ लेखक को ही मानती थी

ग)जीजी और लेखक एक दूसरे के विरोधी थे

घ) जीजी और लेखक के बीच कोई सम्बंध नहीं था

गद्यांश-5

कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

21.लेखक के मन को किस तरह की बातें कचोटती हैं ?

क) त्याग और कर्तव्य न कर स्वार्थ की बातें करना

ख) देश के लिए बलिदान करना

ग) देश की भलाई के लिए कार्य करना

घ) अपने कर्तव्य का पालन करना

22. गगरी तथा बैल के उल्लेख से लेखक क्या कहना चाहता हैं?

क) देश के संसाधनों का भरपूर उपयोग हो रहा है

ख) देश में अपार संसाधन है पर जनता की जरुरतें पूरी नहीं हो रही है

ग) गगरी भर नहीं पा रही है बैल प्यासे रह जाते हैं

घ) देश में सबको सुविधाएँ मिल रही है

23. भ्रष्टाचार की चर्चा करते समय क्या आवश्यक हैं ?

क) हमें अपना कार्य करते रहना है ख) हमें अपनी भलाई की बात सोंचना है

ग) हम स्वयं उसमें लिप्त तो नहीं हैं घ) हम भ्रष्टाचार से दूर रहें

24. 'आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?'- आपके विचार से यह स्थिति कब बदल सकती है?

क) हमारी अपनी भलाई करते रहने से ख) हमारे मन में विचार कर लेने से

ग) सबको रोजगार मिल जाने से घ) लोगों के स्वार्थ और भ्रष्टाचार से दूरी बना लेने से

25. देश से भ्रष्टाचार कैसे समाप्त हो सकता है ?

क) सबको रोजगार मिल जाने पर ख) देश से गरीबी मिट जाने पर

ग) समाज और सरकार में दृढ़इच्छा शक्ति जाग्रत हो जाने पर घ) आंदोलन करने पर

पाठ पर आधारित प्रश्न -

26. 'काले मेघा पानी दे' पाठ में वर्णित इंदर सेना आज के युवा वर्ग के लिए किस तरह के कार्य की संभावना प्रबल है?

क)यह केवल अंधविश्वास को बढ़ावा देगी ख) आज के वैज्ञानिक युग में सम्भव नहीं है

ग) सामूहिक रचनात्मक कार्य कर सकते हैं घ) भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा

27. तकनीकी विकास के दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है ।कृषि समाज में आषाढ़ का चढ़ना उनमें उल्लास का संचार कर देता है । ऐसा क्यों ? सार्थक उत्तर का चुनाव कीजिए ।

क)ग्रीष्म की व्याकुलता के कारण ख)इस महीने में ही कृषि कार्य प्रारंभ होते हैं

ग) इस महीने में अधिकतर वर्षा होती है घ)इस महीने में किसान प्रसन्नचित्त होते हैं

<u>उत्तर संकेत गद्य खण्ड</u>

(भक्तिन)

1. (ii) हनुमान जी से
2. (i) लेखिका और भक्तिन
3. (iii) उसके वास्तविक नाम का प्रयोग ना करने की
4. (i) जिसे पाना कठिन हो
5. (iii) पूरी कथा
6. (ख) उसका पति उसे कभी डांटता भी नहीं था

स्पष्टीकरण- घर भर से उपेक्षित भक्तिन अपने पति से कभी डांट भी न खाई थी।

7. (ग) अपनी मेहनत के बल पर
8. (घ) इनकार कर देना

स्पष्टीकरण- इनकार करना या मना करना।

9. (क) भक्तिन को
10. (घ) उपर्युक्त सभी

स्पष्टीकरण- भक्तिन में उपर्युक्त सभी विशेषताएं थीं।

11. (i) इधर -उधर पड़े रुपयों को रखने के सम्बंध में

12. (ii)हर प्रकार से लेखिका को खुश करना

13. (iii) वह महादेवी की चित्रकला और कविता लिखने के दौरान किसी प्रकार की सहायता नहीं कर सकती।

14. (iv) भक्तिन सदैव लेखिका के सामने बैठकर कुछ-न-कुछ क्रियात्मक सहयोग देती रहती थी।

15. (i) कुछ काम बताने का ।

16. क) दोषी तीतरबाज युवक था

17. क) कलियुग को

18. ग) दोनों पति-पत्नी के रुप में रहें |

19. क) सर्वनाश का कारण बना

स्पष्टीकरण-बेमेल विवाह हमेशा सर्वनाश का कारण होता हे।

20. घ) अपमान व कमाई के विचार से

21. क) लेखिका और भक्तिन की

22. ख) भक्तिन ने लेखिका को अपनी संरक्षिका मान लिया

23. ग) इनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है

24. घ) अँधेरे- उजाले

25. क) लेखिका ने भक्तिन को परिवार का सदस्य मान लिया है

26. (घ) भक्तिन के अंत को स्वीकार न करना

स्पष्टीकरण - लेखिका उसे खोना नहीं चाहती थी

27. (ग) सेवा भाव के लिए

स्पष्टीकरण-दोनों का अपने स्वामी के लिए सेवा भाव अद्‌वितीय है।

28. (क) स्त्री अस्मिता के संघर्षपूर्ण आवाज

स्पष्टीकरण - यह महत्त्वपूर्ण बिंदु है अन्य सभी उनके अंश हैं

29. (ख) लक्ष्मी

30. (ग) लेखिका

(बाजार-दर्शन)

1.ख. आँख की राह

स्पष्टीकरण- वस्तुओं को आँख से देखकर।

2. ग. मन खाली हो

3. घ. बाज़ार के जादू की

4. क. सहमत हैं

स्पष्टीकरण-जिनकी इच्छा शक्ति कमजोर होती है वे बाजार के आकर्षण में फंस जाते हैं।

5. घ. बाज़ार दर्शन

6. क) मन खाली न हो

7. क) बाजार की जकड़ से बचने के लिए

8. क) मन में लक्ष्य होने से
9. ग) लोगों की आवश्यकता पूरी करने में
10. ग) जब ग्राहक के मन में लक्ष्य निश्चित होता है
11. क) हठपूर्वक लोभ को दबाना
12. ख) आत्म संयम के लिए
13. घ) यह लोभ से बचने का उपयुक्त तरीका नहीं है
14. क) मन कमजोर,पीला और अशक्त हो जाता है
15. क) मन को बंद करना चाहिए
16. क) बाजार में वस्तु खरीदने के निश्चय का निर्णय।
17. क) अपर जाति
18. ग) आत्मिक, धार्मिक, नैतिक
19. ख) वैभव की चाह
20. क) वह धन की ओर झुकता है
21. क) जो बाजार से जरूरत की चीजें खरीदते हैं
22. ख) बाजार को विनाशक शक्ति प्रदान करते हैं
23. ग) जब व्यापार में कपट आ जाता है
24. घ) जो बाजार से व्यर्थ की चीजें खरीदते हैं
25. ग) क और ख दोनों

स्पष्टीकरण- गद्यांश के अनुसार अनीति और मायावी शास्त्र दोनों कहा गया है।

26. घ) बाजार का नकारामक प्रभाव बेअसर रहेगा

स्पष्टीकरण- यह पाठ का मुख्य उद्देश्य है जिसे भगत जी जैसे संयमी व्यक्ति बनना श्रेयष्कर है

27. ग) जरुरत के अनुसार खरीदी करेंगे

स्पष्टीकरण- बाजार की सच्ची सार्थकता इसी में है

(काले मेघा पानी दे)

1. क) सूखा पड़ने का अंदेशा होने के कारण
2. ख) जो बच्चे मेंढ़क की तरह उछल-कूद, शोर - शराबा करते थे
3. ग) दस-बारह वर्ष से सोलह-अठारह वर्ष के
4. घ) लोग सावधान हो जाते
5. ख) इंदर-सेना
6. ग)बादलों का नामोंनिशान दिखाई नहीं दे रहा था ।
7. क)गाँव में बारिश न होने से सभी जीव व्याकुल थे
8. घ)बारिश के देवता इंद्र से प्रार्थना करते थे
9. क)कीचड़ में लथपथ होकर मेघों से पानी मांगते थे
10. घ) इंद्रदेव

11.क)खेत की बुवाई का

12.क) इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को

13.ख) जीजी का एक लड़का राष्ट्रीय आंदोलन में पुलिस की लाठी खा चुका था ।

14.क) जिस देश की जनता जैसी होती है, वहाँ का राजा वैसा ही होता है।

15.घ) उपर्युक्त सभी

16.ग) बाल्टी भर-भरकर मेंढ़क मंडली पर पानी फेंकने से

17.क) हाथ काँप रहे थे,पाँव डगमगा रहे थे ?

18.ख) यह सब अंधविश्वास नहीं है

19.क) पहले हमें दान देना पड़ता है तभी हमें बढ़कर मिलता है

20.ख) जीजी अपना सबकुछ लेखक को ही मानती थी

21.क) त्याग और कर्तव्य न कर स्वार्थ की बातें करना

22.ख) देश में अपार संसाधन है पर जनता की जरुरतें पूरी नहीं हो रही है

23.ग) हम स्वयं उसमें लिप्त तो नहीं हैं

24.घ) लोगों के स्वार्थ और भ्रष्टाचार से दूरी बना लेने से

25.ग) समाज और सरकार में दृढ़इच्छा शक्ति जाग्रत हो जाने पर

26.ग) सामूहिक रचनात्मक कार्य कर सकते हैं

स्पष्टीकरण- युवा वर्ग में उमंग, उत्साह भरा होता है

27.ख)इस महीने में ही कृषि कार्य प्रारंभ होते हैं

स्पष्टीकरण- किसानों को आषाढ़ के उमड़ते बादल में आशा की नई किरण दिखाई देती है बोवाई आरंभ करने का समय होता है

<u>वितान-भाग -2 (पूरक पाठ्य पुस्तक) (निर्धारित अंक:05)</u>

पठित पाठों पर आधारित पांच बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए ध्यान देने योग्य बातें –

- `वितान' को `आरोह' की तरह ही महत्व दें।
- वितान के दोनों पाठों को एक बार ध्यान से अवश्य पढ़ें। जिससे कहानी समझ में आ जाए।
- पठित पाठों पर आधारित एक अंक वाले पांच बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे।
- नीचे दिये गए निर्देशों को यदि ध्यान पूर्वक पढ़कर उसका पालन किया जाए तो अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।
- वितान के दोनों पाठों के सार फिल्म की कहानी की तरह याद कर लें।
- मुख्य पात्रों की विशेषताओं को अवश्य याद कर लें।

सिल्वर वेडिंग (मनोहर श्याम जोशी)

पाठ का सार -: इस कहानी की मूल संवेदना है 'पीढ़ी का अंतराल'।

यशोधर बाबू कहानी के मुख्य पात्र हैं। वे होम मिनिस्ट्री में सेक्शन ऑफिसर थे। किशन दा उनके आदर्श थे। यशोधर बाबू परंपरा को मानने वाले थे। वे पश्चिमी संस्कृति को नहीं मानते थे। यशोधर बाबू की पत्नी और बच्चे पश्चिमी संस्कृति से बहुत प्रभावित थे। यह बात उन्हें अच्छी नहीं लगती थी।यशोधर बाबू को अपने बच्चों का व्यवहार अच्छा नहीं लगता था। बच्चे उनका सम्मान नहीं करते थे। वे कभी अपने परिवार से जुड़ नहीं पाए। पत्नी और बच्चों के साथ उनका मतभेद था। यह पाठ दो पीढ़ियों के अंतराल को बताता है। यशोधर बाबू संस्कारों से जुड़ना चाहते हैं। वे संयुक्त परिवार की संवेदना को अनुभव करते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1. सिल्वर वेडिंग कहानी के लेखक कौन हैं?

(क) प्रेमचंद (ख) मनोहर श्याम जोशी

(ग) आंनद यादव (घ) ओम थानवी

2. कहानी 'सिल्वर वैडिंग' में किशन दा की मृत्यु के संदर्भ में 'जो हुआ होगा' से कहानीकार का क्या तात्पर्य रहा है?

(क) लेखक मृत्यु से बहुत दुखी है (ख) लेखक को मृत्यु का कारण पता है

(ग) लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है (घ) लेखक को मृत्यु से कोई अन्तर नहीं पड़ता है ।

3. दफ्तर की घड़ी में कितने समय होने पर यशोधर जी कर्मचारियों की सुस्ती पर कटाक्ष करते हैं?

(क) पाँच बजकर पच्चीस मिनट पर (ख) चार बजने पर

(ग) पाँच बजने पर (घ) चार बजकर तीस मिनट पर

4. यशोधर बाबू का विवाह कब हुआ था?

(क) 6 फरवरी, 1947 (ख) 6 फरवरी, 1946

(ग) 5 फरवरी, 1947 (घ) 6 फरवरी, 1945

5.यशोधर बाबू बच्चों की तरक्की से खुश होते हुए "समहाउ इम्प्रापर" क्या अनुभव करते हैं?

(क) वह खुशहाली भी कैसी जो अपनों में परायापन पैदा करे ।

(ख) अपने बच्चों द्वारा गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा उन्हें नहीं जँचती ।

(ग) साधारण पुत्र को असाधारण वेतन देने वाली नौकरी समझ नहीं आती ।

(घ) उपर्युक्त सभी

6. यशोधर बाबू की पत्नी उनसे नाराज क्यों रहती थी ?

(क) विवाह के पश्चात् संयुक्त परिवार में रहने के कारण (ख)विवाह के पश्चात् बंदिशों के कारण

(ग) नवविवाहिता पर पुराने नियम लागू होने के कारण (घ) उपर्युक्त सभी

7.आप 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना किसे कहेंगे?

(क) हाशिए पर धकेले जाते मानवीय मूल्य (ख) पीढ़ी का अन्तराल

(ग) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव (घ) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

8 दिल्ली में यशोधर ने किसके घर पर शरण ली थी ?

(क) किशनदा के (ख) कृष्ण कुमार के

(ग) श्यामलाल के (घ) राम कुमार के

9. यशोधर बाबू को अपने पर गर्व और प्रसन्नता का बोध कब होता है?

(क) जब लोग उनके बच्चों की उन्नति को देखकर उनसे ईर्ष्या करते हैं।

(ख) जब भूषण उन्हें सिल्वर वैडिंग का उपहार देता है।

(ग) जब वह ऑफिस से मंदिर जाता है।

(घ) उपर्युक्त सभी।

10. दफ्तर से आते समय यशोधर बाबू प्रतिदिन कहाँ जाते थे?

(क) पार्क (ख) श्याम मंदिर

(ग) बिरला मंदिर (घ)विद्यालय

11. यशोधर बाबू कैसे व्यक्ति थे?

(क) मर्यादित (ख) संस्कार प्रिय

(ग) बुरे (घ) क और ख दोनों

12.किशन दा की किस परंपरा को यशोधर ने जीवंत रखा ?

(क) घर में होली गवाना (ख) जन्मदिन मनाना

(ग) शादी की वर्षगाँठ बनाना (घ) भोज का आयोजन करना

13. यशोधर बाबू के बड़े लड़के का क्या नाम था?

(क) जतिन (ख) मोहन

(ग) भूषण (घ) योगेश

14. भूषण कहाँ नौकरी करने लगा था?

(क) विद्यालय में (ख) सरकारी दफ्तर में

(ग) विज्ञापन संस्था में (घ) अस्पताल में

15. माँ की मृत्यु के पश्चात यशोधर पंत किसके पास रहे?

(क) चाची (ख) बुआ

(ग) भाभी (घ) दादी

16. 'जनार्दन' शब्द सुनकर यशोधर पंत को किसकी याद आई?

(क) किशन दा की (ख) भूषण की

(ग) अपने बहनोई जनार्दन जोशी की (घ) चड्ढा की

17. यशोधर बाबू के अनुसार कैसी विचारधारा संस्कारों और मर्यादाओं को समाप्त कर देती है?

(क) परम्परागत विचारधारा (ख) पाश्चात्य विचारधारा

(ग) आधुनिक विचारधारा (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

18. "हम लोगों के यहाँ सिल्वर वैडिंग कब से होने लगी है।" यह कथन किसके द्वारा कहा गया है?

(क) किशनदा के द्वारा (ख) भूषण के द्वारा

(ग) मोहन के द्वारा (घ) यशोधर बाबू के द्वारा

19.किशनदा की परंपराओं को जीवित रखने की कोशिश में यशोधर बाबू ने किसको नाराज़ किया?

(क) गिरीश को (ख) अपनी पत्नी को

(ग) अपने बच्चों को (घ) पत्नी और बच्चों दोनों को

20. पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य का संबंध किसकी मृत्यु से है?

(क) किशनदा की (ख) भूषण की

(ग) यशोधर बाबू की (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

21."मूर्ख लोग घर बनाते हैं सयाने उसमें रहते हैं|" यह कथन किसका है?

(क) यशोधर बाबू का (ख) भूषण का

(ग) किशनदा का (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. यशोधर बाबू के जीवन में कौन-सी तीन बातें महत्वपूर्ण हैं ?

(क) माता-पिता के संस्कार (ख) गुरुजनों की शिक्षा

(ग) साहित्य के साथ जुड़ाव (घ) उपर्युक्त सभी।

23. "तुम्हारी ये बाबा आदम के ज़माने की बातें मेरे बच्चे नहीं मानते तो इसमें उनका कोई कसूर नहीं।" ये कथन किसका है?

(क) यशोधर बाबू का (ख) भूषण का

(ग) किशनदा का (घ) यशोधर बाबू की पत्नी का

24.यशोधर बाबू की पत्नी और बच्चों को उनके घर में किए जाने वाले आयोजनों पर कौन-सी चीज़ें सख्त नापसंद थीं?

(क) वक्त की बर्बादी (ख) खर्च और होने वाला शोर

(ग) विभिन्न लोगों का घर में आना (घ) अन्य

25. यशोधर बाबू अपने जीजा जी का हाल-चाल पूछने के लिए कहाँ जाना चाहते थे?

(क) अहमदाबाद (ख) हैदराबाद

(ग) बनारस (घ) इलाहाबाद

26. किशनदा सुबह सैर से लौटते वक्त यशोधर बाबू के घर में झाँकते हुए क्या कहते थे ?

(क) हेल्दी - वेल्दी एंड वाइज़ (ख) शुभ प्रभात

(ग) यशोधर बाबू (घ) इनमें से कोई नहीं

27.यशोधर बाबू अपनी पत्नी को क्या कहकर उनका मज़ाक उड़ाते थे ?

(क) शानयल बुढ़िया (ख) चटाई का लँहगा

(ग) बूढी मुँह मुँहासे, लोग करें तमासे (घ) उपर्युक्त सभी

28.निष्कर्ष कथन- यशोधर बाबू अपने बच्चों की तरक्की होने पर ज्यादा खुश नहीं थे?-:कारण

(पहला) बच्चे आधुनिक रहन-सहन में रहते थे

(दूसरा) बच्चे पीढ़ी गत अन्तराल के कारण वे सभी जीवन मूल्य भूला चुके थे।

दिए गए कथन के सही को नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर चुनिए|

(क) पहला (ख) दूसरा

(ग) दोनों (घ) कोई नहीं

29. यशोधर बाबू किन लोगों को देखकर 'सम हाउ इंप्रापर' कहकर अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हैं?

(क) आधुनिक विचारधारा वाले (ख) प्राचीन विचारधारा वाले

(ग) परम्परागत विचारधारा वाले (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

30.किशनदा की तरह यशोधर बाबू अपने घर में क्या-क्या मनाते थे?

(क) होली का उत्सव (ख) जन्यो पून्यू

(ग) रामलीला (घ) उपर्युक्त सभी

<u>बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर-</u>

1) (ख) मनोहर श्याम जोशी

2) (ग) लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है

स्पष्टीकरण- किशन दा की मृत्यु का कारण लेखक को पता नहीं था।

3) (क) पाँच बजकर पच्चीस मिनट पर

4 (क) 6 फरवरी, 1947

5) (घ) उपर्युक्त सभी

स्पष्टीकरण- ये सभी अनुभव लेखक को कहानी में हुए हैं।

6) (घ) उपर्युक्त सभी

स्पष्टीकरण- उपर्युक्त सभी कारणों से यशोधर बाबू की पत्नी उनसे नाराज रहती थीं।

7) (ख) पीढ़ी का अन्तराल

8) (क) किशनदा के

9) (क) जब लोग उनके बच्चों की उन्नति को देखकर उनसे ईर्ष्या करते हैं।

10) (ग) बिरला मंदिर

11) (घ) क और ख दोनों

स्पष्टीकरण- य़शोधर बाबू मर्यादित और संस्कारप्रिय व्यक्ति थे।

12) (क) घर में होली गवाना

13) (ग) भूषण

14) (ग) विज्ञापन संस्था में

15) (ख) बुआ

16) (ग) अपने बहनोई जनार्दन जोशी की

17) (ख) पाश्चात्य विचारधारा

18) (घ) यशोधर बाबू के द्वारा

19) (घ) पत्नी और बच्चों दोनों को

20) (क) किशनदा

21) (ग) किशनदा का

22) (घ) उपर्युक्त सभी।

23) (घ) यशोधर बाबू की पत्नी का

24) (ग विभिन्न लोगों का घर में आना

25) (क) अहमदाबाद

26) (क) हेल्दी, वेल्दी एंड वाइज़

27) (घ) उपर्युक्त सभी

28) (ग) दोनों

स्पष्टीकरण- दोनों ही कारणों से यशोधर बाबू अपने बच्चों की तरक्की होने पर ज्यादा खुश नहीं थे।

29) (क) आधुनिक विचारधारा वाले

30) (घ) उपर्युक्त सभी

जूझ (आनंद यादव)

पाठ का सार -:

' जूझ' का अर्थ होता है- संघर्ष। इस पाठ में लेखक अपनी पढ़ाई के लिए जूझता (संघर्ष करता) है| यह अंश मराठी भाषा के लेखक आनंद रतन यादव का बहुचर्चित आत्मकथात्मक उपन्यास है। इसमें कथानायक आनंद

ने पाठशाला जाने के लिए संघर्ष किया। आनंदा के पिता ने उसे स्कूल जाने से मना कर दिया। लेकिन पढ़ने की तीव्र इच्छा ने उसे जीवन का एक उद्देश्य दे दिया। उसने विद्यालय जाने के लिए पिता की जो शर्तें मानी थी उनका पालन किया। वह विद्यालय जाने से पहले बस्ता लेकर खेतों में पानी देता। वह ढोर चराने भी जाता। उसके पिता ने उसका पाठशाला जाना बंद करवा दिया था किंतु उसने हिम्मत नहीं हारी, पूरे आत्मविश्वास के साथ योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा और सफल हुआ। आनंदा ने मास्टर सौंदलगेकर से प्रभावित होकर काव्य में रुचि लेना प्रारम्भ किया। इससे उसमें पढ़ने की लालसा, वचनबद्धता, आत्मविश्वासी एवं कर्मठता तथा कविता के प्रति झुकाव आदि चारित्रिक विशेषताएँ देखने मिलती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न- दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. जूझ साहित्य की किस विधा में लिखा गया है?

(क) कहानी (ख) आत्मकथात्मक उपन्यास

(ग) संस्मरण (घ) रेखा चित्र

2. लेखक अपने दादा के सामने बोलने की हिम्मत क्यों नहीं करता था?

(क)वहअपने पिता से बहुत डरता था (ख) उसके पिता बहुत गुस्सैल और हिंसक थे

(ग)वह बात-बातपर लेखक पर नाराज़ होते थे (घ) उपर्युक्त सभी

3. आनन्दा के पिता की भाँति आज भी अनेक गरीब व कामगार पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते क्यों? आपकी दृष्टि में इसका क्या कारण है?

(क) अशिक्षित होने के कारण (ख)- बच्चों के लड़ाई झगड़े के कारण

(ग)- स्कूल अच्छा नहीं होने से (घ)- फीस ज्यादा होने के कारण

4. लेखक पढना क्यों चाहता था ?

(क) उसके अनुसार खेती में कोई भविष्य नहीं है (ख) पढ़ -लिखकर नौकरी करना चाहता था

(ग) नौकरी करके या व्यापार करके धन कमाया जा सकता है (घ) उपर्युक्त सभी

5. लेखक का दादा कोल्हू जल्दी क्यों चलवाता था ?

(क) वह बहुत मेहनती था (ख) वह अपने बनाए गुड़ के अच्छे दाम प्राप्त करना चाहता था

(ग) वह अपने हर कार्य को सबसे पहले करना चाहता था (घ) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

6. 'पाठशाला जाने के लिए मन तड़पता था।' पंक्ति में आए मुहावरे 'मन तड़पना' का क्या अर्थ है?

(क) मन प्रसन्न होना (ख) मन शांत होना

(ग) मन का बेचैन होना (घ) डाँटते हुए समझाना

7. दादा ने लेखक को खेती के कार्य में क्यों लगा दिया ?

(क) वहलेखक को खेती के कार्य सिखाना चाहता था

(ख) वह स्वयं स्वतंत्र रहकर नगर में घूमना चाहता था

(ग) वह लेखक के भविष्य के बारे में सोचता था

(घ) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

8. दादा, दत्ताराव सरकार का नाम सुनते ही उनसे मिलने क्यों चला गया ?

(क) **दत्ता**राव सरकार गाँव के सम्मानित व्यक्ति थे (ख) दादा ने **दत्ता**राव सरकार से उधार ले रखा था

(ग) दादा, **दत्ता**राव सरकार से डरता था (घ) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

9. राव सरकार ने दादा को किस किस बात के लिए डांटा-?

(क) खेतों की तरफ ध्यान न देने के लिए (ख) फसल में लागत न लगाने के लिए

(ग) लेखक की पढ़ाई छुड़वाने के लिए (घ) उपर्युक्त सभी

10. दत्तराव साहब ने लेखक को क्या निर्देश दिए ?

(क) वह कल से स्कूल जाना शुरू करे (ख) वह मन लगाकर पढाई करे

(ग) यदि उसका पिता उसे स्कूल न भेजे तो वह उनके पास आ जाए (घ) उपर्युक्त सभी

11. इनमें से 'जूझ' कहानी के पात्र नहीं है?

क) आनंद यादव (ख) सौंदलगेकर

(ग) दत्ता जी राव (घ) भूषण

12. दादा ने दत्तराव साहब के सामने अपने बेटे पर क्या आरोप लगाए ?

(क) लेखक सिनेमा देखने चला जाता है (ख) यहाँ-वहाँ घूमता रहता है

(ग) खेती और घर के काम में ज़रा भी ध्यान नहीं देता (घ) उपर्युक्त सभी

13. 'जूझ' कहानी का संदेश है?

(क) संघर्ष करने की सीख (ख) सहनशीलता व धैर्य

(ग) परिश्रम का महत्त्व बताना (घ) उपर्युक्त सभी।

14. लेखक ने राव साहब के सामने किस प्रकार अपना पक्ष रखा ?

(क) उसका दादा कभी उसे सिनेमा देखने के लिए पैसे नहीं देता

(ख) उसने कंडे बेचकर प्राप्त धन से कपड़े सिलवाए

(ग) वह यहाँ-वहाँ कंडे बेचने के लिए घूमता है

(घ) उपर्युक्तसभी

15. दादा ने अपने बेटे के सामने स्कूल जाने के लिए क्या शर्त रखी ?

(क) स्कूल से पहले खेत में जाकर फसल को पानी देगा

(ख) स्कूल से आने के बाद ढोर चराने जाएगा

(ग) खेती के कार्य में अधिकता होने पर स्कूल नहीं जाएगा

(घ) उपर्युक्त सभी

16.बसंत पाटिल कौन थे?

(क) आनन्द की कक्षा का मॉनिटर (ख) गणित के अध्यापक

(ग) मराठी के अध्यापक (घ) आनंद को चिढ़ाने वाला साथी

17. लेखक को स्कूल में पहले दिन अपनी कक्षा में दीवार से पीठ सटाकर क्यों बैठ गया ?

(क) लेखक को संकोच हो रहा था (ख) शरारती बच्चेउसकी धोती खींच रहे थे

(ग) खेती का कार्य करने के कारण उसकी पीठ में दर्द था (घ) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

18. वसंत पाटिल की नक़ल करने पर लेखक को क्या लाभ हुआ ?

(क) वह गणित में होशियार हो गया (ख) वह भी मॉनिटर जैसा सम्मान पाने लगा

(ग) अध्यापक उसे शाबासी देने लगे (ग) उपर्युक्त सभी

19. लेखक कविता लिखने के लिए किन साधनों का उपयोग करता था?

(क) जेब मे कागज़ और पेंसिल रखना (ख) भैंस की पीठ पर रेखा खींचकर लिखना

(ग) कंकड़ पत्थर से शिला पर लिखना (घ) उपर्युक्त सभी

20. लेखक को अकेलेपन में आनंद क्यों आने लगा ?

(क) वह खुलकर गा सकता था (ख) वह कविताएँ रच सकता था

(ग) वह कविता गाकर उसका अभिनय कर सकता था (घ) उपर्युक्त सभी

21. 'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? सही विकल्प छाँटिए:

(क) अकेलापन डरावना है। (ख) अकेलापन उपयोगी है|

(ग) अकेलापन अनावश्यक है (घ) अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है।

22. निष्कर्ष कथन- 'जूझ' पाठ के अनुसार- "पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था।"

कारण-(पहला)लेखक खेती-बाड़ी नहीं करना चाहता था|वह पढ़-लिख कर सफल होना चाहता था|

(दूसरा) दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है।

दिए गए कथन के सही कारण को नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर चुनिए|

(क) पहला (ख) दूसरा

(ग) दोनों (घ) कोई नहीं

23.लेखक के मराठी शिक्षक न. वा. सौंदलगेकर की विशेषताएं क्या थीं?

(क) कविता की छंद, यति आरोह अवरोह का ज्ञान

(ख) अभिनय के साथ पढ़ाना व उसी भाव की अन्य कवि की कविता बताना

(ग) दोनों सही हैं

(घ) सिर्फ क सही है।

24. जूझ पाठ के लेखक आनंद यादव को कविता लेखन के लिए प्रोत्साहित करने वाले शिक्षक का नाम था?

(क) दत्ता जी राव (ख) न. वा. सौंदलगेकर

(ग) बा. भ. बोरकर (घ) केशव कुमार

25. जूझ के कथानायक के चरित्र की विशेषताएं हैं?

(क) संघर्षशील व जुझारू (ख) परिश्रमी

(ग) कविता के प्रति लगाव (घ) उपरोक्त सभी

26. 'जूझ' शब्द का अर्थ क्या होता है?

(क) संघर्ष (ख) परिश्रम

(ग) दोनों सही हैं (घ) दोनों गलत हैं

<u>बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर-</u>

1) (ख) आत्मकथात्मक उपन्यास

स्पष्टीकरण- यह कहानी लेखक की अपनी आत्मकथा है।

2) (घ) उपर्युक्त सभी

3) (क)- अशिक्षित होने के कारण

4) (घ) उपर्युक्त सभी

5) (ख) वह अपने बनाए गुड़ के अच्छे दाम प्राप्त करना चाहता था

6) (ग) मन का बेचैन होना

स्पष्टीकरण- मन तड़पना - मन का बेचैन होना।

7) (ख) वह स्वयं स्वतंत्र रहकरनगर में घूमना चाहता था

8) (क) **दत्ता**राव सरकार गाँव के सम्मानित व्यक्ति थे

9) (घ) उपर्युक्त सभी

10) (घ) उपर्युक्त सभी

11) (घ) भूषण

12) (घ) उपरोक्त सभी

13) (क) संघर्ष करने की सीख

स्पष्टीकरण- कहानी के अनुसार अन्य सभी से उपयुक्त है।

14) (घ) उपर्युक्त सभी

15) (घ) उपर्युक्त सभी

स्पष्टीकरण- उपर्युक्त सभी कार्य करने की शर्त दादा द्वारा रखी गई।

16) (क) आनन्द की कक्षा का मॉनिटर

17) (ख) शरारती बच्चे उसकी धोती खींच रहे थे

18) (घ) उपर्युक्त सभी

19) (ख) भैंस की पीठ पर रेखा खींचकर लिखना

20) (घ) उपर्युक्त सभी

स्पष्टीकरण- उपर्युक्त सभी कार्य कर सकने के कारण लेखक को अकेलेपन का आनंद आने लगा।

21) (ख) अकेलापन उपयोगी है|

स्पष्टीकरण- अकेलापन लेखक के लिए कविता रचना में उपयोगी रहा।

22) (ग) दोनों

23) (ग) दोनों सही हैं

स्पष्टीकरण- मराठी शिक्षक में दोनों ही विशेषताएं थीं।

24) (ख) न. वा. सौंदलगेकर

25) घ) उपर्युक्त सभी।

स्पष्टीकरण-जूझ के कथानायक में उपर्युक्त सभी विशेषताएं हैं।

26) (क) संघर्ष

स्पष्टीकरण- जूझना का सही अर्थ संघर्ष करना है**।**

आंतरिक मूल्यांकन

श्रवन तथा वाचन **कुल अंक 10**

आंतरिक मूल्यांकन हेतु –

श्रवण तथा वाचन परीक्षा हेतु दिशा-निर्देश

- **श्रवण (सुनना) (5अंक)**: वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद, भाषण, कवितापाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना।
- **वाचन (बोलना) (5अंक)**: भाषण, सस्वर कविता-पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम-प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद-वाचन।

***टिप्पणी**: वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय ही होगा। निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण (सुनना) कौशल के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन (बोलना) कौशल के मूल्यांकन के लिए होंगे।*

वाचन (बोलना) एवं श्रवण (सुनना) कौशल का मूल्यांकन:

- परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए।

या

- परीक्षक 2-3 मिनट का श्रव्य अंश (ऑडियो क्लिप) सुनवाएगा। अंश रोचक होना चाहिए। कथ्य/ घटना पूर्ण एवं स्पष्ट होनी चाहिए। वाचक का उच्चारण शुद्ध, स्पष्ट एवं विराम चिह्नों के उचित प्रयोग सहित होना चाहिए।
- परीक्षार्थी ध्यानपूर्वक परीक्षक/ऑडियो क्लिप को सुनने के पश्चात परीक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अपनी समझ से मौखिक उत्तर देंगे। (1x5 =5)
- किसी निर्धारित विषय पर बोलना: जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभवों का प्रत्यास्मरण कर सकें।
- कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।
- परिचय देना। (स्व/ परिवार/ वातावरण/ वस्तु/ व्यक्ति/ पर्यावरण/ कवि /लेखक आदि)
- परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाए।
- विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
- निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव-जगत के हों।
- जब परीक्षार्थी बोलना आरंभ करें तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

(इस बात का निश्चय करना कि क्या विद्यार्थी में श्रवण और वाचन की निम्नलिखित योग्यताएँ हैं)

क्र.	श्रवण (सुनना)		वाचन (बोलना)
1	परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है।	1	केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है।
2	छोटे सुसंबद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	2	परिचित संदर्भों में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।

3	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	3	अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है।
4	दीर्घ कथनों की शृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने के ढंग और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।	4	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा-प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है।
5	जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है।	5	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है।

परियोजना कार्य - कुल अंक 10

- विषय वस्तु - 5 अंक
- भाषा एवं प्रस्तुति - 3 अंक
- शोध एवं मौलिकता - 2 अंक

  - हिन्दी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध विषयों/ विधाओं / साहित्यकारों / समकालीन लेखन / साहित्यिक वादों / भाषा के तकनीकी पक्ष / प्रभाव / अनुप्रयोग / साहित्य के सामाजिक संदर्भों एवं जीवन मूल्य संबंधी प्रभावों आदि पर परियोजना कार्य दिए जाने चाहिए।
  - सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थी को विषय चुनने का अवसर मिले ताकि उसे शोध, तैयारी और लेखन के लिए पर्याप्त समय मिल सके ।

  - **वाचन -श्रवण कौशल एवं परियोजना कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक परीक्षक द्वारा ही किया जाएगा।**

परियोजना-कार्य

'परियोजना' शब्द योजना में 'परि' उपसर्ग लगने से बना है। 'परि' का अर्थ है 'पूर्णता' अर्थात ऐसी योजना जो अपने आप में पूर्ण हो परियोजना कहलाती है। किसी विशेष लक्ष्य की प्राप्ति हेतु जो योजना बनाई और कार्यान्वित की जाती है, उसे परियोजना कहते हैं। यह किसी समस्या के निदान या किसी विषय के तथ्यों को प्रकाशित करने के लिए तैयार की गई एक पूर्ण विचार योजना होती है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, नई शिक्षा नीति 2020 तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर अनुभवात्मक अधिगम, आनंदपूर्ण अधिगम की बात की कही गई है। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के लिए हिंदी का अध्ययन एक सृजनात्मक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और विभिन्न प्रयुक्तियों की भाषा के रूप में करने और करवाने के लिए परियोजना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण व लाभदायक सिद्ध होता है।

परियोजना का महत्व

- व्यक्तिगत स्तर पर खोज , कार्रवाई और ग्यारहवीं-बारहवीं कक्षा के दौरान अर्जित ज्ञान और कौशल, विचारों आदि पर चिंतन का उपयोग ।
- सैद्धांतिक निर्माणों और तर्कों का उपयोग करके वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों का विश्लेषण और मूल्यांकन
- एक स्वतंत्र और विस्तारित कार्य का निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच कौशल और क्षमताओं के अनुप्रयोग का प्रदर्शन
- उन विषयों पर कार्य करने का अवसर जिनमें शिक्षार्थियों की रुचि है
- नए ज्ञान की ओर अग्रसर

- खोजी प्रवृत्ति में वृद्धि
- भाषा ज्ञान समृद्ध एवं व्यावहारिक
- समस्या समाधान की क्षमता का विकास

परियोजना कार्य निर्धारित करते समय ध्यान देने योग्य बातें

- परियोजना कार्य शिक्षार्थियों में योग्यता आधारित क्षमता को ध्यान में रखकर दिए जाएँ जिससे वे विषय के साथ जुड़ते हुए उसके व्यावहारिक पक्ष को समझ सकें। वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर भी ध्यान दिया जाए।
- सत्र के प्रारम्भ में ही विद्यार्थियों को विषय चुनने का अवसर मिले ताकि उसे शोध, तैयारी और लेखन के लिए पर्याप्त समय मिल सके।
- अध्यापिका/अध्यापक द्वारा कक्षा में परियोजना-कार्य को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जाए जिससे विद्यार्थी उसके अर्थ, महत्व व प्रक्रिया को भली-भाँति समझने में सक्षम हो सकें ।
- हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े। विविध विषयों/ विधाओं/ साहित्यकारों/ समकालीन लेखन/ भाषा के तकनीकी पक्ष/ प्रभाव/ अनुप्रयोग/ साहित्य के सामाजिक संदर्भों एवं जीवन-मूल्य संबंधी प्रभावों आदि पर परियोजना कार्य दिए जाने चाहिए।
- शिक्षार्थी को उसकी रुचि के अनुसार विषय का चयन करने के छूट दी जानी चाहिए तथा अध्यापक/ अध्यापिका को मार्गदर्शक के रूप में उसकी सहायता करनी चाहिए।
- परियोजना – कार्य करने समय निम्नलिखित आधार को अपनाया जा सकता है-
    1. प्रमाण – पत्र
    2. आभार ज्ञापन
    3. विषय-सूची
    4. उद्देश्य
    5. समस्या का बयान
    6. परिकल्पना
    7. प्रक्रिया (साक्ष्य संग्रह, साक्ष्य का विश्लेषण)
    8. प्रस्तुतीकरण (विषय का विस्तार)
    9. अध्ययन का परिणाम
    10. अध्ययन की सीमाएँ
    11. स्त्रोत
    12. अध्यापक टिप्पणी
- परियोजना – कार्य में शोध के दौरान सम्मिलित किए गए चित्रों और संदर्भों के विषय में उचित जानकारी दी जानी चाहिए। उनके स्त्रोत को अवश्य अंकित करना चाहिए।
- चित्र, रेखाचित्र, विज्ञापन, ग्राफ, विषय से संबंधित आँकड़े, विषय से संबंधित समाचार की कतरनें एकत्रित के जानी चाहिए।
- प्रमाणस्वरूप सम्मिलित किए गए आँकड़े, चित्र, विज्ञापन आदि के स्त्रोत अंकित करने के साथ-साथ समाचार-पत्र, पत्रिकाओं के नाम एवं दिनांक भी लिखने चाहिए।
- साहित्यकोश, संदर्भ-ग्रंथ, शब्दकोश की मदद लेनी चाहिए।
- परियोजना-कार्य में शिक्षार्थियों के लिए अनेक संभावनाएँ हैं । उनके व्यक्तिगत विचार तथा उनकी कल्पना के विस्तृत संसार को अवश्य सम्मिलित किया जाए।

परियोजना – कार्य के कुछ विषय सुझावात्मक रूप में दिए जा रहे हैं।

भाषा और साहित्य से जुड़े विविध विषयों/ विधाओं/ साहित्यकारों/ समकालीन लेखन के आधार पर

- हिंदी कविता में प्रकृति चित्रण (पाठ – जयशंकर प्रसाद) विभिन्न कवियों की कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन, भाषा शैली, विशेषताएँ, वर्तमान के साथ प्रासंगिकता इत्यादि।

- भारतीय ग्रामीण का जीवन (पाठ – सूरदास की झोपड़ी)
  - आज़ादी से पहले, बाद में तथा वर्तमान में स्थिति
  - सुधार की आवश्यकताएँ
  - आपकी भूमिका/ योगदान/ सुझाव

- संघर्षों की जूझता पहाड़ी जीवन (पाठ – आरोहण)
  - बदलते समय के साथ बदलता जीवन
  - विश्लेषणात्मक व तथ्यात्मक प्रस्तुति
  - भौगोलिक स्थितियाँ, आपदाएँ
  - कारण और निवारण
  - आपकी भूमिका

- समकालीन विषय
  - कोविड -19 और हम
  - भूमिका – क्या है, क्यों है आदि का विवरण
  - विभिन्न देशों में प्रभाव
  - भारत के साथ तुलनात्मक अध्ययन
  - कारण और निवारण
  - आपकी भूमिका/ योगदान/ सुझाव

उपर्युक्त विषय सुझाव के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। आप दिशानिर्देशों के आधार पर अन्य विषयों का चयन कर सकते है।

परियोजना की शब्दसीमा लगभग 2000 शब्दों की होनी चाहिये।